सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 05 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 17 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

छत्तीसगढ़ में 208 नक्सलियों ने डाले हथियार

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के समक्ष गृहमंत्री विजय शर्मा की मौजूदगी में नक्सलियों ने त्यागी हिंसा

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियान के तहत अब तक सबसे बड़ा और ऐतिहासिक माओवादी आत्मसमर्पण हुआ है। शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन जगदलपुर में 208 नक्सलियों ने हथियार छोड़कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ गए हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के समक्ष गृहमंत्री विजय शर्मा की मौजूदगी में इन नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इनमें 110 महिलाएं और 98 पुरुष शामिल हैं। सरेंडर नक्सलियों में एक सीसीएम कैडर, डीकेएसजेडसी के 4 कैडर, क्षेत्रीय समिति सदस्य 1 कैडर, डीवीसीएम 21 कैडर, एसीएम स्तर के 61 कैडर, पार्टी सदस्य 98 कैडर तथा अन्य 22 पीएलजीए सदस्य व आरपीसी सदस्य शामिल हैं। आत्मसमर्पण के दौरान कुल 153 हथियार भी अधिकारियों को सौंपे गए। इन हथियारों में 19 एके-47 राइफल, 17 एसएलआर राइफल, 23 इंसास राइफल, 1 इंसास एलएमजी, 36 .303 राइफल, 4 कार्बाइन, 11 बीजीएल लॉन्चर, 41 बारह बोर/सिंगल शॉट गन और 1 पिस्तौल शामिल है। सरेंडर करने वाले नक्सलियों का सीएम साय, गृहमंत्री शर्मा, बस्तर आईजी सुंदरराज पी सहित पुलिस व फोर्स के अधिकारियों ने स्वागत व अभिनंदन किया है।

मुख्यधारा में लौटने वाले प्रमुख माओवादी नेताओं में सीसीएम रूपेश उर्फ सतीश, डीकेएसजेडसी सदस्य भास्कर उर्फराजमन मांडवी, रनीता, राजू सलाम, धन्नू वेत्ती उर्फ संतू, आरसीएम रतन एलम सहित कई वांछित और इनामी कैडर शामिल हैं। इन सभी ने संविधान पर आस्था व्यक्त करते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था में सम्मानजनक जीवन जीने का संकल्प लिया। अधिकारियों ने बताया कि अब अभियान का अगला चरण दक्षिण बस्तर पर केंद्रित होगा, ताकि छत्तीसगढ़ को पूरी तरह लाल आतंक से मुक्त कराया जा सके। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, 'छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए आज के दिन को ऐतिहासिक दिन कह सकते हैं। बड़ी संख्या में नक्सली विकास की धारा से जुड़ने जा रहे हैं।

उत्तर बस्तर और अबूझमाड़ हुए नक्सलमुक्त बस्तर में शांति और विकास का नया युग

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि उत्तर बस्तर और अबूझमाड़ अब नक्सलमुक्त हो गया है। उत्तर बस्तर और अबूझमाड़ का नक्सलमुक्त होना यह प्रमाण है कि अब बस्तर भय नहीं, बल्कि विश्वास और विकास की नई पहचान बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में भारत आज नक्सलवाद के अंत की दहलीज़ पर खड़ा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बीते दो दिनों में 258 नक्सलियों का आत्मसमर्पण इस बात का प्रतीक है कि बंदूक नहीं, बल्कि विश्वास की शक्ति जीत रही है। उन्होंने कहा कि बीते 22 महीनों में छत्तीसगढ़ में 477 नक्सली मारे गए, 2110 ने आत्मसमर्पण किया और 1785 गिरफ्तार हुए। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह आंकड़े हमारे राज्य को नक्सलमुक्त बनाने के अडिग संकल्प के साक्षी हैं।

31 मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ पूरी तरह से होगा नक्सलमुक्त

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 31 मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ को पूरी तरह नक्सलमुक्त बनाने का लक्ष्य अब बहुत निकट है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की परिकल्पना अब साकार होने के बहुत करीब पहुंच चुकी है। यह परिवर्तन राज्य सरकार की नक्सलवादी आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति 2025 तथा नियद नेल्ला नार योजना की सफलता का प्रत्यक्ष परिणाम है। डबल इंजन सरकार की संवेदनशील नीतियों, बस्तर में लगातार स्थापित हो रहे सुरक्षा शिविरों और वनांचलों में शासन के प्रति बढ़ते विश्वास ने इस सकारात्मक परिवर्तन को संभव बनाया है। उन्होंने कहा कि अब तक नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में 64 नए सुरक्षा कैंप स्थापित किए जा चुके हैं, जिससे न केवल सुरक्षा सुदृढ़ हुई है, बल्कि विकास और विश्वास की किरण भी हर गांव तक पहुंची है।

सुरक्षाबलों के समर्पण, साहस व बलिदान से ही आज बस्तर हुआ भयमुक्त

मुख्यमंत्री साय ने हमारे वीर सुरक्षाबलों के अदम्य साहस और बलिदान को नमन करते हुए कहा कि उनके समर्पण से ही आज बस्तर भयमुक्त हुआ है और शांति की राह पर अग्रसर है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अबूझमाड़ और उत्तर बस्तर नक्सल आतंक से पूर्णत: मुक्त हो चुके हैं, जबकि दक्षिण बस्तर में यह लड़ाई अपने निर्णायक चरण में है। नियद नेल्ला नार जैसी योजनाओं ने बस्तर में संवाद, विकास और संवेदना की नई धरती तैयार की है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार की नीति दो टूक है। हिंसा का कोई स्थान नहीं। जो नक्सली शांति और विकास का मार्ग चुनना चाहते हैं, उनका स्वागत है। लेकिन जो बंदूक उठाकर समाज में आतंक फैलाने की कोशिश करेंगे, उन्हें सुरक्षा बलों की सख्त कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने सभी नक्सलियों से अपील की हिंसा की राह अंतहीन पीड़ा देती है, जबकि आत्मसमर्पण जीवन को एक नई दिशा देते हुए एक नई शुरुआत का रास्ता खोलता है। अपनी मातृभूमि के भविष्य और अपने परिवारों के उज्जवल कल के लिए हथियार त्यागें और विकास की रोशनी में कदम रखें।

देश में नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई अब ऐतिहासिक मुकाम पर

उल्लेखनीय है कि देश में नक्सलवाद के खिलाफ चल रही निर्णायक लड़ाई ने एक ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट कर जानकारी कि छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ और उत्तर बस्तर जैसे क्षेत्र, जो कभी नक्सल आतंक के गढ़ हुआ करते थे, अब पूरी तरह नक्सलमुक्त घोषित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह न केवल भारत की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था की बड़ी सफलता है, बल्कि विकास, विश्वास और संवेदना की नई कहानी भी है। केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि यह परिवर्तन इस बात का प्रमाण है कि बंदूक नहीं, बल्कि संविधान पर विश्वास की शक्ति जीत रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के निरंतर प्रयासों से नक्सलवाद अब अपने अंतिम चरण में है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने आत्मसमर्पण करने वाले सभी नक्सलियों की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम उनके बेहतर भविष्य और देश की एकता के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने सभी नक्सलियों से अपील की कि वे हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटें और देश की प्रगति में सहभागी बनें।

सभी मिलकर योगदान करेंगे तो बस्तर आगे बढ़ेगा : डीजीपी अरुण देव गौतम

छत्तीसगढ़ के डीजीपी अरुण देव गौतम ने बताया, 'जो युवा इस तरह से भटक रहे थे, वे बस्तर की जनता के लिए लड़ रहे थे लेकिन उन्हें पता चला कि वे वास्तव में बस्तर की जनता के लिए नहीं लड़ रहे बल्कि उनका नुकसान कर रहे थे। बस्तर का विकास इतने साल में नहीं है। अब अगर वे सभी मिलकर योगदान करेंगे तो बस्तर आगे बढ़ेगा।'

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा- हमारी नीति स्पष्ट, सरेंडर करने वालों का स्वागत

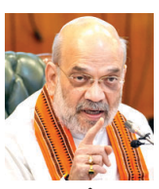

अमित शाह ने एक्स पर लिखा कि हिंसा छोड़कर भारत के संविधान पर अपना विश्वास पुर्नस्थापित करने के इन सभी के निर्णय की सराहना करता हूं। नक्सलियों के खिलाफ हमारी नीति स्पष्ट है। जो आत्मसमर्पण करना चाहते हैं, उनका स्वागत है। लेकिन जो लोग हथियार उठाए रहेंगे, उन्हें हमारी सुरक्षा बलों की कठोर कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

अब मिलकर भी लगवा सकेंगे सोलर पैनल

श्रीकंचनपथ

जीवन में ऊर्जा के महत्व के बारे में तो सभी जानते हैं। ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करते-करते पृथ्वी और पर्यावरण दोनों हांफने लगे हैं। पर जब से सूर्य की रोशनी से ऊर्जा प्राप्त करने का विकल्प सामने आया है, उम्मीद की एक किरण नजर आने लगी है। वैसे बिजली की जरूरतों को पूरा करने के लिए हवा और पानी का उपयोग काफी पहले से किया जा रहा है। परमाणु शक्ति से ऊर्जा प्राप्त करने का कार्य भी काफी समय से चल रहा है। पर भारत जैसे विशाल देश में जहां लगभग साल भर सूर्य की रोशनी उपलब्ध है, सौर ऊर्जा पर काम बहुत विलंब से शुरू हुआ। जब तक इसका ख्याल आता, देश से जंगलों का लगभग सफाया हो गया। थर्मल पावर स्टेशनों ने पर्यावरण की हालत खराब कर दी। वैसे तो सौर ऊर्जा पर भी काम बहुत पहले शुरू हो चुका था पर किस्तों में चली इस योजना का ठोस लाभ कभी नहीं मिल पाया। अब मजबूरी में ही सही पर इस दिशा में ठोस प्रयास शुरू हुए हैं। सरकार ने इस योजना को लेकर युद्ध स्तर पर काम करना शुरू कर दिया है। इसके तहत सार्वजनिक इमारतों के साथ ही लोगों को निजी आवासों में सोलर यूनिट लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। सरकार इसमें भारी भरकम सब्सिडी भी दे रही है। एक किलोवाट के सोलर प्लांट में 50 हजार रुपए खर्च होते हैं। 3 किलोवाट तक पीएम सूर्य योजना का लाभ दिया जाता है। एक मकान पर यदि 1।50 लाख रुपए खर्च होते हैं तो इसमें 1।08 लाख की सब्सिडी मिल जाती है। अर्थात जेब से सिर्फ 42 हजार रुपए लगते हैं। इसके बाद घर के लिए 300 यूनिट बिजली फ्री हो जाएगी। बिजली खरीदने पर इतनी बिजली का बिल करीब 1800 रुपए आता है, जो इसके बाद शून्य हो जाएगा। यानी दो साल में लागत वसूल हो जाएगी। पर दिक्कत यह थी कि जो लोग फ्लैट में रहते हैं, वो इस योजना का लाभ कैसे लें। छत्तीसगढ़ ने इसमें भी एक अभिनव पहल की है। यहां लोग मिलकर भी सोलर प्लांट लगा सकते हैं। रायपुर के एक अपार्टमेंट हाउस में यह प्रयोग किया गया है। छत्तीसगढ़ के बिजली विभाग ने पार्थिवी पैसिफिक सोसाइटी में इसे सफलतापूर्वक लगा दिया है। यहां वर्चुअल नेट मीटरिंग सिस्टम लगाया गया है। यह एक ऐसा सिस्टम है जिसमें साझा सोलर पैनल लगते हैं और फिर ग्रिड से हर फ्लैट को बिजली भेजी जाती है। इस सोसाइटी में 132 फ्लैट हैं। 20 फ्लैट वालों ने आवेदन किया था। विभाग ने इसके बाद 60 किलोवाट का सोलर पैनल लगा दिया जिससे हर फ्लैट को 300 यूनिट हर महीने बिजली मिलेगी। प्रत्येक फ्लैट में एक एक्सपोर्ट मीटर भी लगेगा। यह मीटर बिजली को ग्रिड में भेजता है। सभी फ्लैट्स को तय हिस्से के अनुसार क्रेडिट मिल जाएगा। वर्चुअल नेट मीटरिंग सिस्टम से हर फ्लैट सोलर से रोशन हो सकेगा।

संपादकीय

अफसरों को सेवक होने का एहसास दिलाना जरूरी

लोकतंत्र में जनता ही सर्वोपरि होती है, सबसे बड़ी होती है, सबसे शक्तिशाली वही होती है।सरकार के मंत्री, सांसद, विधायक, जिले के अफसर उसके सेवक होते हैं। सबको इस बात एहसास जनता मौके पर दिलाती रहती है। वह राजनीतिक दलों को चुनाव में जिताकर व हराकर बताती है कि तुम सेवक हो, पांच साल सेवा ठीक से नहीं करोगे तो सेवा से हटा दिए जाओगे, दूसरे राजनीतिक दल को सेवा का मौका दिया जाएगा।

इसी तरह सरकार बनने के बाद जो राज्य का सीएम होता है, उसे भी जनता को बताते रहना पड़ता है, इसके साथ ही सीएम को मंत्री, सांसदों, विधायकों व जिले के अफसरों को भी बताते रहना पड़ता है कि तुम शासक नहीं हो, तुम सेवक हो। जनता की सेवा ठीक से करोगे तो सराहना मिलेगी, जनता की सेवा ठीक से नहीं करोगे तो सजा भी मिलेगी। अच्छा सीएम वह होता है जो खुद को जनता का सेवक समझता है और दूसरों को समझाता रहता है कि तुम शासक नहीं हो तुम भी जनता के सेवक हो और जनता से जुड़ा हुआ जो भी काम है, उसे सेवा भाव से करना है। समर्पित भाव से करना है। बड़े से बड़े पद में रहने के बाद भी जो खुद को शासक नहीं समझता है, उसमें सेवक होने की विनम्रता होती है। बड़े पद होने पर खुद का शासक समझता है उसमें शासक होने का घमंड आ जाता है। वह खुद को काम करने वाला नहीं समझता है, वह खुद को काम करवाने वाला समझता है।ज्यादातर अफसरों में बड़े पद पर रहने से शासक होने का भाव पैदा हो जाता है कि हम तो शासन करने वाले हैं, हमारा काम शासन करना है।

ऐसे खुद को शासक समझने वाले अफसरों को एहसास दिलाते रहना जरूरी होता है कि तुम शासक नहीं को सेवक हो। सीएम को यह काम कलेक्टर कांफ्रेंस हो या अधिकारियों की बैठक में करते रहना पड़ता है। उनको बताते रहना पड़ता है कि खुद को शासक मत समझो, तुम सेवक हो, जनता के सेवक हो, जनता की सेवा करने के लिए जो भी योजनाएं बनाई गईं है उस पर शत प्रतिशत अमल करना है। नहीं करोगे तो पूछा जाएगा, जनता की सेवा का काम आपने क्यों नही किया। जो जनता की सेवा का काम अच्छे से करते है, सीएम उनकी सराहना करते हैं। सीएम साय ने कलेक्टर कांफ्रेंस में ऐसा किया भी है। उन्होंने अच्छा काम करने वालों की सराहना की और दूसरे कलेक्टरों को उनसे प्रेरणा लेने को कहा। उन्होंने अच्छा काम नहीं करने वाले कलेक्टरों से कहा भी कि दूसरे कलेक्टर यही काम अच्छे से कर सकते है तो आप ने क्यों नहीं किया। आप भी कर सकते हैं, अगली बार आप को यह काम अच्छे से करके दिखाना है।

कलेक्टर कांफ्रेंस में सीएम साय ने दो टूक कहा कि जनहित से जुड़े किसी भी कार्य मे लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। शासन की नीतियों व योजनाओं का लाभ जनता के पास समय पर पहुंचना चाहिए। सुशासन का मतलब ही यही है कि जनहित के कार्य जमीन पर हो रहे हैं और जनता को उसका लाभ मिल रहा है। कलेक्टर कांफ्रेंस में सीएम साय ने कलेक्टरों को यह भी याद दिलाया कि 15 नवंबर से धान खरीदी होनी है। किसानों का धान खराब नहीं होना चाहिए,पंजीयन समय पर होना चाहिए,धान बेचने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। इस मामले में कोई गड़बड़ी होती है,इसके लिए कलेक्टर जिम्मेदार होंगे। बैठक के बाद सीएम साय ने कलेक्टरों को यह निर्देश भी दिया है कि अब उन्हें रोज सुबह सात बजे उठकर नगरीय निकायों के वार्डों का निरीक्षण भी करना है। निगम के अधिकारियों की काम की समीक्षा के साथ ही निकायों द्वारा किए जा रहे स्वच्छता प्रबंधन व अपशिष्ट प्रबंधन की नियमित समीक्षा करना है। कुछ लोगों को लग सकता है कि यह कलेक्टरो का काम नही है, यह काम तो निगम के अधिकारियों का है।साय ने कलेक्टरों को इस काम में लगाकर यह संदेश दिया है कि आप जिले में काम करने वाले हो, आपको जिले का सब काम करना है?।

आप जनता के सेवक हो, जनता का जो भी काम है, वह सब आपको करना है। पीएम मोदी खुद को जनता प्रधान सेवक कहते है और पार्टी के सब लोगों से यही चाहते हैं कि वह जनता के सेवक बनकर काम करे। सीएम साय ने यही संदेश कलेक्टरों को दिया है जनता का सेवक बनकर काम करना है,सारे काम करना है और सारे काम करवाना भी है। कलेक्टर कांफ्रेंस में सीएम ने माफिया द्वारा रेत, मुरुम, डोलोमाइट के धड़ल्ले से किए जा रहे अवैध खनन पर नाराजगी जताई और कलेक्टरों से पूछा कि इस रोकने के लिए आप क्या कर रहे हैं,इसे रोकने के लिए कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है। कलेक्टर कांफ्रेंस में सीएम के अवैध खनन बंद क्यों नहीं हो रहा पूछने का असर यह हुआ कि सोमवार को आरंग ब्लाक के ग्राम गुदगुदा में अवैध रेत खनन करते दो बोट और दो चेन माउंटेन मशीने जब्त की गई हैं। यह सीएम को दिखाने के लिए किया गया है कि हम लोग कार्रवाई तो करते हैं लेकिन इस तरह के अवैध रेत उत्खनन इसलिए नहीं रुकता है क्योंकि दिनरात 24 घंटे निगरानी नहीं होती है। अवेध उत्खनन इसलिए भी नहीं रुकता है कि जिस दल की सरकार होती है, उसी के नेता व कार्यकर्ता भी इस काम में लगे होते हैं।

एक लाख एकल शिक्षक स्कूलों की त्रासदी से त्रस्त शिक्षातंत्र

ललित गर्ग

कल्पना कीजिए-एक शिक्षक जो प्रशासनिक काम भी करता है, मिड-डे मील की निगरानी भी करता है और साथ में सभी कक्षाओं को पढ़ाने की जिम्मेदारी भी निभाता है। क्या वह शिक्षक शिक्षक रह जाता है या व्यवस्था का बोझ उठाने वाला मज़दूर बन जाता है?

भारत में आज भी कई सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के बच्चे सिर्फएक शिक्षक के भरोसे सभी विषय पढ़ रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय के साल 2024-25 के आधिकारिक डेटा के मुताबिक देश के कुल 1,04,125 स्कूलों में एक ही शिक्षक सभी कक्षाओं एवं सभी विषयों को पढ़ा रहे हैं। यह आंकड़ा हमारे शिक्षा तंत्र की विफ्लता को दर्शाता ही नहीं रहा है बल्कि चिन्ताजनक स्थिति को बयां कर रहा है। ये आंकड़े हमारे शैक्षणिक विकास पर एक गंभीर प्रश्न खड़ा कर रहे हैं। शिक्षा किसी राष्ट्र की आत्मा होती है। स्वामी विवेकानंद का यह वाक्य आज भारत की शिक्षा व्यवस्था पर एक कसक बनकर उभरता है। जब शिक्षा की आत्मा घायल होती है तो राष्ट्र का शरीर कभी स्वस्थ नहीं रह सकता।

शिक्षा मंत्रालय के ये हालिया आंकड़े बताते हैं कि एकल शिक्षक स्कूलों में करीब पौने चौंतीस लाख विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। बताया जाता है कि आंध्र प्रदेश में ऐसे स्कूलों की संख्या सबसे ज्यादा थी, जबकि उसके बाद उत्तर प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक और लक्षद्वीप का स्थान है। एक तो हमारे देश में शिक्षा का बजट पहले ही बहुत कम है, फिर उस धन का सही उपयोग नहीं हो पाना एक भ्रष्टाचार ही है। इसमें दो राय नहीं कि प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा के गिरते स्तर के मूल में हमारे नीति-नियंताओं की अनदेखी ही प्रमुख कारक है। आखिर हम अपने नौनिहालों को कैसी शिक्षा दे रहे हैं? आखिर उनके बेहतर भविष्य की हम कैसे उम्मीद करें? जाहिर बात है कि एक शिक्षक सामाजिक विषय, भाषा, विज्ञान, अंग्रेजी और गणित में माहिर नहीं हो सकता। एक शिक्षक छात्रों की हाजिरी दर्ज करेगा या पढ़ाई कराएगा? एकल शिक्षक स्कूलों का परिदृश्य भारत के विकास की पौल खोलने वाला है। भले ही एकल शिक्षक स्कूलों में पिछले वर्ष की तुलना में 6 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई हो, फिर इतनी बड़ी संख्या में ऐसे स्कूलों का होना हमारी शिक्षा व्यवस्था की बड़ी नाकामी को ही उजागर कर रहा है। यह स्थिति किसी एक आंकड़े की नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य की गहरी त्रासदी की तस्वीर है।

कल्पना कीजिए-एक शिक्षक जो प्रशासनिक काम भी करता है, मिड-डे मील की निगरानी भी करता है और साथ में सभी कक्षाओं को पढ़ाने की जिम्मेदारी भी निभाता है। क्या वह शिक्षक शिक्षक रह जाता है या व्यवस्था का बोझ उठाने वाला मजदूर बन जाता है? इन बच्चों की शिक्षा कैसी होगी, जिनके लिए ज्ञान का एकमात्र द्वार ही थकान, उपेक्षा और तंगहाली से भरा है? यह संकट केवल ग्रामीण भारत तक सीमित नहीं है। शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में भी सैकड़ों स्कूल ऐसे हैं जहाँ विषय विशेषज्ञों की कमी, प्रयोगशालाओं की अनुपस्थिति और शिक्षण संसाधनों का अभाव है। नई शिक्षा नीति 2020 समग्र शिक्षा की बात करती है, लेकिन जब आधारभूत ढाँचा ही अपूर्ण हो तो नीतियाँ केवल दस्तावेज बनकर रह जाती हैं। हम 2047 तक विकसित भारत की परिकल्पना कर रहे हैं, पर क्या एकल शिक्षक स्कूलों की यह स्थिति उस दिशा में कोई सार्थक कदम का संकेत है?

यह विडंबना है कि भारत विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है, पर उसके बचपन की शिक्षा का यह हाल है। शिक्षा पर सरकारी व्यय जीडीपी का केवल 2.9 प्रतिशत है, जबकि विकसित देशों में यह 5 से 6 प्रतिशत तक है। जब शिक्षा ही निवेश नहीं बनेगी, तो विकास का आधार कहाँ से आएगा? समस्या केवल शिक्षक संख्या की नहीं, बल्कि शिक्षकों की भर्ती, प्रशिक्षण और संसाधनों की भी है। राज्यों में नियुक्ति प्रक्रियाएँ वर्षों तक लटकी रहती हैं, स्थानांतरण नीति अव्यवस्थित है, और जो शिक्षक हैं भी, उन्हें आधुनिक शिक्षा पद्धति, डिजिटल शिक्षण, नवाचार और नैतिक मूल्य आधारित शिक्षण के प्रशिक्षण से वंचित रखा गया है। यह स्थिति उस समय और अधिक विडंबनापूर्ण लगती है जब हम हर मंच पर नया भारत, विकसित भारत और विश्वगुरु भारत के नारे लगाते हैं। शिक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में देखने की आवश्यकता है। रक्षा और स्वास्थ्य की तरह शिक्षा को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

शिक्षक भर्ती में पारदर्शिता और समयबद्ध प्रक्रिया सुनिश्चित हो, दूरस्थ क्षेत्रों के स्कूलों का समुचित समायोजन किया जाए, तकनीक के माध्यम से डिजिटल शिक्षा का विस्तार हो और शिक्षकों को केवल वेतनभोगी कर्मचारी नहीं बल्कि राष्ट्रनिर्माता के रूप में सम्मान मिले। महात्मा गांधी ने कहा था, यदि हमें भारत को पुनः महान बनाना है, तो शिक्षा को पुनः मानवीय बनाना होगा। आज शिक्षा केवल परीक्षा और नौकरी तक सीमित हो गई है, जबकि उसका उद्देश्य चरित्र निर्माण और विवेक जागरण होना चाहिए। यदि 34 लाख बच्चे एकल शिक्षक के भरोसे हैं, तो यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक संवेदनहीनता का प्रमाण है। भारत तभी विकसित होगा जब हर बच्चा पढ़ेगा-सिर्फ स्कूल में नहीं, बल्कि सच्चे अर्थों में शिक्षित होगा। अन्यथा, एकल शिक्षक की यह पीड़ा आने वाले भारत की मौन त्रासदी बन जाएगी। शिक्षक दीपक की तरह होते हैं, वे स्वयं जलकर समाज को प्रकाश देते हैं। पर जब दीपक ही अकेला रह जाए, तो अंधकार स्वाभाविक है। अब समय है कि हम इस अंधकार को दूर करने का संकल्प लें, क्योंकि शिक्षा ही राष्ट्र का भविष्य है और शिक्षक उस भविष्य के निर्माता हैं।

सोचने वाली बात है कि एक स्कूल की सारी कक्षाओं को एक शिक्षक कैसे पढ़ाता होगा? छात्र-छात्राएं कैसी और कितनी शिक्षा ग्रहण कर पाते होंगे? शिक्षा का मतलब छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है। उन्हें पढ़ाई के साथ पाठ्यसहगामी क्रियाओं का भी ज्ञान दिया जाना जरूरी होता है। लेकिन जब स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक ही नहीं होंगे तो किताबी पढ़ाई कैसी होगी, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। स्कूल में सिर्फ पढ़ाई ही महत्वपूर्ण नहीं होती। बच्चों का शारीरिक विकास पूरी तरह हो, उसके लिए खेलकूल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों एवं योग-व्यायाम जैसी कक्षाओं की सख्त जरूरत होती है। लेकिन जब शिक्षक ही पर्याप्त नहीं होंगे तो शिक्षा के साथ चलने वाली इन गतिविधियों की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती है। निस्संदेह, हम छात्रों के बीमार भविष्य की बुनियाद ही रख रहे हैं और ऐसी बीमार बुनियाद पर खड़ा राष्ट्र कैसे स्वस्थ, सक्षम एवं उन्नत होगा?

शिक्षा के प्रति यह उपेक्षा हमारे सत्ताधीशों की संवेदनहीनता का भी पर्याय है। शिक्षकों की नियुक्ति में जिस बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के मामले विभिन्न राज्यों में सामने आए हैं, उससे शिक्षा विभाग की प्रदूषित कार्य संस्कृति का बोध होता है। आखिर क्या वजह है कि देश में प्रशिक्षित शिक्षकों की पर्याप्त संख्या होने के बावजूद स्कूलों में शिक्षकों की कमी बनी हुई है। यह स्थिति हमारे तंत्र की विफलता को ही उजागर करती है। एक समस्या यह भी है कि शिक्षक जटिल भौगोलिक स्थितियों वाले स्कूलों में काम करने से कतराते हैं। यदि इन स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति हो भी जाती है तो वे दुर्गम से सुगम स्कूलों में अपना तबादला ज्वाइन करने के तुरंत बाद करवा लेते हैं। जिसमें राजनीतिक हस्तक्षेप से लेकर विभागीय लेन-देन की भी शिकायत होती रहती है। यही वजह है कि शहरों व आसपास के इलाकों में स्थित स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती जरूरत से ज्यादा भी देखी जाती है।

कैसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि सड़कों पर बेरोजगारों की लाइन लगी हैं और स्कूलों में शिक्षकों के लाखों पद खाली हैं। बताया जाता है कि माध्यमिक व प्राथमिक विद्यालयों में करीब साढ़े आठ लाख शिक्षकों के पद खाली हैं। इसके बावजूद कि हमारे यहां प्रशिक्षित शिक्षकों की कोई कमी नहीं है। कहने को तो हमारे गाल बजाते नेता भारत को दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं का देश कहते इतराते हैं, लेकिन इन नेताओं से पूछा जाना चाहिए कि कुंठित होती युवा पीढ़ी के लिये उन्होंने क्या खास किया है? नौकरियों की भर्ती निकलती नहीं है। तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर देश में ऐसी त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों का होना देश के नीति-निर्माताओं एवं नायकों के लिये शर्म का विषय होना चाहिए।

तालिबान संग भारत का नया अध्याय, बदल रहा दक्षिण एशिया का भू-राजनीतिक समीकरण

मृत्युंजय दीक्षित

यह सर्वविदित तथ्य है कि भारत और अफगानिस्तान के रिश्ते अत्यंत लंबे समय से प्रगाढ़ रहे हैं और अफगानिस्तान के कठिन समय में भारत ने सदा उसकी सहायता की है। तालिबान शासन आने के बाद भी जब वहां पर विनाशकारी भूकंप आया तब भारत अफगान नागरिकों के साथ खड़ा रहा।

अंतरराष्ट्रीय सम्बन्धों में कोई स्थाई मित्र या शत्रु नहीं होता, सभी राष्ट्र समय और परिस्थितियों के अनुसार पारस्परिक व्यवहार करते हैं। इस समय भारत के लिए सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण अफगानिस्तान में तालिबान का शासन है। तालिबान की पहचान आतंकी संगठन की है किन्तु अफगानिस्तान की तालिबान सरकार अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने के लिए वैश्विक जगत से संवाद स्थापित कर रही है। अभी तक तालिबान सरकार को केवल रूस ने ही मान्यता दी है। इस बीच अफगानिस्तान के तालिबान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी सात दिन की भारत यात्रा पर आए हैं यद्यपि भारत ने अभी तक तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है और वह काफी फूंक-फूंक कर कदम रख रहा है।

भारत में मुत्ताकी के अनेक कार्यक्रम हो रहे हैं। वह उप्र में मुसलमानों की संस्था दारुल उलूम देवबंद गए हैं, उनकी दो पत्रकार वार्ताएं भी हो चुकी हैं जिसमें पहली पत्रकार वार्ता में महिला पत्रकारो को प्रवेश ण मिलने के कारण विवादों आ गई जिससे अफगानी विदेश मंत्री को दूसरी पत्रकार बुलानी पड़ी जिसमें महिला पत्रकार भी आमंत्रित थीं। अफगान विदेश मंत्री की इस यात्रा से भारत ने दक्षिण एशिया में पाकिस्तान के विरुद्ध अपना एक नया समर्थक बनाया है। मुत्ताकी की भारत यात्रा से भारत ने एक कूटनीतिक बढ़त यह प्राप्त कर ली है संयुक्त बयान में अफगानिस्तान ने अप्रैल में जम्मू -कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए भारत की जनता व सरकार के प्रति संवेदना व एकजुटता व्यक्त की है। भारत और अफगानिस्तान के बयान के अनुसार दोनो पक्षों ने क्षेत्रीय देशों से उत्पन्न सभी आतंकवादी कृत्यो की स्पष्ट रूप से निंदा की और क्षेत्र में शांति स्थिरता एवं आपसी विश्वास को बढ़ावा देने के महत्व पर बल दिया गया है।

अफगान विदेश मंत्री ने जम्मू कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बताया जिससे पाकिस्तान को इतनी चोट पहुंची कि उसने अफगानिस्तान पर हमला कर दिया फिर अफगानिस्तान ने करते हुए पाकिस्तान के 58 सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया और उनकी कई चौकियों पर कब्जा कर लिया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अफगान विदेश मंत्री मुत्ताकी की मुलाकात के बाद बयान जारी किया गया कि भारत और अफगानिस्तान के रिश्ते सदियों पुराने हैं तथा इन संबंधों को और मजबूत किया जाएगा। भारत ने काबुल स्थित दूतावास फिर से खोलने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। यह वही तालिबान सरकार है जिस पर कभी कोई भरोसा नहीं कर रहा था। जब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अफगानिस्तान से अपनी सेनाओं को वापस बुलाने और अफगानिस्तान की सत्ता तालिबान को हस्तांतरित करने का निर्णय लिया था उस समय दक्षिण एशिया में भय, आतंक, चिंता व निराशा का वातावरण उत्पन्न हो गया था कि अब क्या होगा ?

अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी पर चीन और पाकिस्तान बहुत खुश थे। इन दोनों देशों को लगा कि अब अफगान सरकार उनके कहने पर चलेगी। पाकिस्तान ने सोचा कि वह तालिबान की मदद से जम्मू-कश्मीर को हथियाकर वहां शरिया कानून लागू करवा देंगे किंतु समय बदलने के साथ ही पाकिस्तान का यह प्लान पूरी तरह से धराशायी गया है। आज भारत के तालिबान से सम्बन्ध बेहतर हो गए हैं क्योंकि भारत केवल राष्ट्र प्रथम को ध्यान में रख कर चल रहा।

सामारिक, आर्थिक, राजनैतिक व मानवीय दृष्टिकोण से भारत का अफगानिस्तान के साथ रिश्ते सुधारना राष्ट्रहित में है। वहां से हिंदू व सिख समाज के लोग अपना कारोबार संपत्ति जायदाद आदि छोड़ के आए हैं। अफगानी विदेश मंत्री मुत्ताकी से भारत ने यह कहलवा लिया है कि अब कोई भी ताकत अफगान की धरती का उपयोग भारत के खिलाफ नहीं कर सकेगी। इसका स्पष्ट इंगित पाक परस्त खुफिया एजेंसी आईएसआई की ओर था। तालिबान विदेश मंत्री मुत्ताकी की भारत यात्रा के लिए काफी समय से होमवर्क किया जा रहा था। जनवरी में ही तालिबान शासन और भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ कई दौर की वार्ता हो चुकी थी जिसके बाद मुत्ताकी ने भारत को एक अहम क्षेत्रीय और आर्थिक शक्ति बताया था।

यह सर्वविदित तथ्य है कि भारत और अफगानिस्तान के रिश्ते अत्यंत लंबे समय से प्रगाढ़ रहे हैं और अफगानिस्तान के कठिन समय में भारत ने सदा उसकी सहायता की है। तालिबान शासन आने के बाद भी जब वहां पर विनाशकारी भूकंप आया तब भारत अफगान नागरिकों के साथ खड़ा रहा। अफगान विदेश मंत्री और भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की मुलाकात के बाद अफगानिस्तान को 20 एम्बुलेंस देने के साथ ही वहां की आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने के लिए भारत ने सहायता की घोषणा की है।

यदि भारत अफगानिस्तान में अपना दूतावास खोलता है तो वह वहां से पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई की गतिविधियों पर सूक्ष्म दृष्टि रख सकेगा। तालिबान शासन से मैत्री इसलिए भी महत्वपूर्ण हो गई है क्योंकि इस समय भारत के सभी पड़ोसी देश अस्थिरता का शिकार हैं ऐसे में सामरिक दृष्टिकोण से एक नया मार्ग खोलना अति आवश्यक हो गया है।

कहीं दिल्ली पेयजल की प्यासी न हो जाए!

विनीत नारायण

गौरतलब है कि अकबर की राजधानी फतेहपुर सीकरी पानी के अभाव के कारण मात्र 15 सालों में ही उजड़ गई थी। दिल्ली का संकट केवल एक चेतावनी है। आने वाले वर्षों में संकट और बढ़ेगा। विशेषज्ञों के मुताबिक़, यदि ठोस कदम नहीं उठाए गए तो 2030 तक देश के आधे बड़े शहर 'जल-विहीन' क्षेत्रों की श्रेणी में आ सकते हैं। इसलिए अब समय है कि सरकार और समाज दोनों मिलकर दीर्घकालिक रणनीति अपनाएँ।

इस वर्ष देश भर में हुई भारी बारिश और जल प्रलय के बावजूद भारत के शहरी क्षेत्रों में जल संकट है। पेयजल संकट आशंका नहीं, बल्कि एक कठोर सच्चाई है। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु जैसे महानगर, जो आर्थिक प्रगति और आधुनिक जीवनशैली के प्रतीक हैं, अब जल प्रबंधन की विफलता के गंभीर परिणाम झेल रहे हैं। हाल ही में दिल्ली के वसंत कुंज क्षेत्र में तीन बड़े मॉल और आसपास की सप्लाई के पूरी तरह ठप हो जाने से यह संकट फिर सुर्खियों में आया। इन प्रतिष्ठानों को बंद करने की नौबत इसलिए आ गई है क्योंकि टैंकरों से इनकी जल आपूर्ति रुक गई, जबकि भूजल दोहन (ग्राउंड वॉटर बोरिंग) पर पहले से ही एनजीटी ने प्रतिबंध लगा रखा है। यह स्थिति केवल अस्थायी तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि एक गहरे प्रशासनिक और नैतिक संकट की ओर संकेत करती है। पिछले सात दशकों में खरबों रुपया जल प्रबंधन पर खर्च किए जाने के बावजूद ऐसा है तो आखिर क्यों?

दिल्ली महानगर की जनसंख्या 2 करोड़ से अधिक है। इससे जल आपूर्ति की व्यवस्था लंबे समय से दबाव में है। दिल्ली जल बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, शहर में प्रतिदिन करीब 1,000 मिलियन गैलन पानी की मांग है, जबकि उपलब्धता मुश्किल से 850 मिलियन गैलन तक पहुँच पाती है। वसंत कुंज जैसे पॉश इलाकों में भी पिछले कुछ वर्षों से पानी की टंकियों और निजी टैंकरों पर निर्भरता बढ़ी है। परंतु इस बार स्थिति पहले से कहीं अधिक भयावह हो गई क्योंकि प्रशासन ने सुरक्षा और ट्रैफिक कारणों से टैंकरों की आवाजाही पर रोक लगा दी। इस निर्णय का सबसे बड़ा असर व्यापारिक केंद्रों जैसे मॉल्स, रेस्तरां और दुकानों पर पड़ा है। इन मॉल्स में हज़ारों कर्मचारी काम करते हैं और प्रतिदिन लाखों ग्राहक आते हैं; बिना पानी के ऐसी व्यवस्था एक दिन भी नहीं चल सकती। शौचालय, सफाई, भोजनालय, अग्निशमन प्रणाली, सब कुछ जल आपूर्ति पर निर्भर हैं। जब टैंकरों की आपूर्ति रुकी, तो केवल व्यापार ही नहीं, आसपास के आवासीय समाज भी संकट में पड़ गए।

दिल्ली सरकार ने कुछ वर्ष पहले भूजल दोहन पर सख्त प्रतिबंध लगाया था। उद्देश्य यह था कि गिरते जलस्तर को रोका जाए। यह पहल पर्यावरणीय दृष्टि से आवश्यक था, क्योंकि लगातार बढ़ते दोहन ने दिल्ली के अधिकांश क्षेत्रों में भूजल को 300 फीट से भी अधिक नीचे पहुँचा दिया था। लेकिन सवाल यह है कि क्या पहले वैकल्पिक व्यवस्था पर्याप्त रूप से विकसित की गई? जब सरकार ने ग्राउंड वॉटर बोरिंग को गैरकानूनी घोषित किया, तब उसके समानांतर रूप में मजबूत टैंकर नेटवर्क, पुनर्चक्रण संयंत्र और रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम विकसित करने चाहिए थे। दुर्भाग्यवश, नीतियाँ बनीं पर उनका कार्यान्वयन अधूरा रह गया। परिणामस्वरूप, लोग न तो कानूनी तरीके से पानी निकाल सकते हैं, न सरकारी वितरण पर भरोसा कर सकते हैं। सोचने वाली बात यह है कि यदि जाड़ों में यह हाल है तो गर्मियों में क्या होगा?

दिल्ली ही नहीं, बल्कि पूरे देश में पानी की आपूर्ति से जुड़ा टैंकर कारोबार वर्षों से विवादों में रहा है। कई जगह यह सार्वजनिक सेवा से अधिक निजी व्यवसाय बन चुका है। अधिकारियों और टैंकर ठेकेदारों के बीच मिलीभगत के आरोप नए नहीं हैं। दिल्ली में जल आपूर्ति में आई यह हालिया बाधा भी ऐसे ही भ्रष्टाचार की परतें उजागर करती प्रतीत होती है। त्योहारों के मौसम में जब पानी की मांग बढ़ जाती है, घरों में सजावट, साफ-सफाई और उत्सव आयोजन अधिक होते हैं। ऐसे समय पर टैंकरों की आवाजाही पर प्रतिबंध या 'तकनीकी समस्या' का बहाना बना देना संदेह उत्पन्न करता है। कई स्थानीय निवासियों का कहना है कि कुछ जल एजेंसियों ने टैंकरों की उपलब्धता को कृत्रिम रूप से सीमित कर कीमतें बढ़ाने की कोशिश की है। इससे न केवल आम नागरिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा, बल्कि मॉल्स और व्यापारिक प्रतिष्ठानों को बंद करने की स्थिति आ गई। अगर यह सही हैं, तो यह सिर्फ प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि नैतिक दिवालियापन का उदाहरण है। जल जैसी बुनियादी संपदा के साथ ऐसा बर्ताव किसी नागरिक समाज में अक्षम्य अपराध है।

भारत में जल नीति के कई स्तर हैं। केंद्र सरकार, राज्य सरकारें और नगरपालिका निकाय सभी अपने ढंग से मनमानी में काम करते हैंष राष्ट्रीय जल नीति (2012) कहती है कि हर नागरिक को पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण पेयजल मिलेगा, पर छोटे शहरों को तो छोड़ें, दिल्ली जैसे शहरों में भी वास्तविकता इसके उलट है। नगरपालिकाएँ रेन वॉटर हार्वेस्टिंग की अनिवार्यता घोषित करती हैं, पर अधिकांश इमारतों में यह प्रणाली केवल कागज़ों पर मौजूद है। जल पुनर्चक्रण संयंत्रों की क्षमता भी इस संकट का सामना करने के लिए अपर्याप्त है। यमुना का प्रदूषण भी दिल्ली की जल आपूर्ति पर सीधा असर डालता है। यदि यमुना से शुद्ध जल नहीं मिलेगा, तो शहर को बाहरी स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ेगा, जिससे राजनीतिक टकराव बनते हैं। हालाँकि नीति-निर्माण और कार्यान्वयन की बड़ी जिम्मेदारी सरकार पर है, पर नागरिक भी निर्दोष नहीं हैं। शहरी समाज में जल का अनावश्यक उपयोग आम बात है। बागवानी में अत्यधिक पानी, कार धोने में व्यर्थ बहाव, और रिसाव की अनदेखी। स्वच्छ भारत मिशन या हर घर जल जैसे अभियान व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर अपनाए जा सकते हैं। मॉल्स और हाउसिंग सोसाइटीज़ में यह व्यवस्था अनिवार्य की जानी चाहिए, ताकि टैंकरों पर निर्भरता घटे।

गौरतलब है कि अकबर की राजधानी फतेहपुर सीकरी पानी के अभाव के कारण मात्र 15 सालों में ही उजड़ गई थी। महानगरों में वर्षा जल संग्रहण प्रणाली को सख्ती से लागू करना जरूरी है। जल पुनर्चक्रण संयंत्रों की संख्या और क्षमता बढ़ाना भी। टैंकर संचालन को पारदर्शी और जीपीएस-नियंत्रित बनाना आवश्यक है ताकि रिश्वतखोरी पर रोक लगे। यमुना जैसी नदियों की सफाई और उसके पुनर्जीवन को प्राथमिकता देनी चाहिए। पानी की बर्बादी रोकने के लिए सख्त कानून और जनजागरूकता अभियान भी चाहिए। इन कदमों के साथ-साथ यह भी सुनिश्चित करना होगा कि जल प्रबंधन केवल संकट आने पर चर्चा का विषय न बने, बल्कि शहरी नियोजन की मूल नीति का हिस्सा हो। दिल्ली पर आया जल संकट याद दिलाता है कि पानी केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। जब हम इसे समझने में चूक करते हैं, तो सभ्यता के अस्तित्व पर भी प्रश्नचिह्न लग जाता है। यदि सरकार और नागरिक समाज अब भी इस संकट को गंभीरता से नहीं लेंगे, तो 'जल युद्ध' भविष्य का नहीं, वर्तमान का शब्द बनेगा। जलसंकट का समाधान केवल योजनाओं से नहीं, ईमानदार नीयत और सामूहिक प्रयासों से ही संभव है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

महाभारत : संस्कृति, नीति और जीवन का शाश्वत पाठ : डॉ अजय आर्य

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग में संस्कृत विभाग द्वारा रुसा 2.0 के अंतर्गत एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय सिंह के मार्गदर्शन में हुआ। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में आर्य समाज के ख्याति प्राप्त वैदिक विद्वान आचार्य डॉ. अजय आर्य तथा डॉ. ललित प्रधान आर्य उपस्थित रहे। डॉ. ललित प्रधान आर्य ने भारतीय ज्ञान परंपरा में व्याकरण शास्त्र विषय पर अपने व्याख्यान में व्याकरण की परंपरा, उसके विकास क्रम और विद्वानों के योगदान पर सरल व रोचक प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय व्याकरण केवल भाषा की संरचना नहीं, बल्कि विचार और अभिव्यक्ति की शुद्धता का आधार है। मुख्य वक्तव्य में आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा कि महाभारत केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, नीति, धर्म और जीवन मूल्यों का शाश्वत पाठ है। यह विश्व का सबसे विशाल महाकाव्य है, जिसमें एक लाख से अधिक श्लोक हैं, और इसे 'पंचम वेद' की उपाधि प्राप्त है। उन्होंने कहा कि महाभारत में ज्ञान, विज्ञान, संस्कृति, नीति, कर्तव्य, अध्यात्म, परिवार, मित्रता और धर्म का अद्भुत संगम मिलता है। डॉ. आर्य ने अपने वक्तव्य में महाभारत के दो प्रेरक प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि जब दुर्योधन और उसके भाइयों को बंदी बना लिया गया, तब युधिष्ठिर ने कहा- यह सत्य है कि कौरव सौ हैं और पांडव पाँच, परंतु जब कोई बाहरी शक्ति हमारे विरुद्ध होती है तब हम 105 हैं।

स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग से क्षेत्र की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी : ललित

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने दीपावली त्यौहार पर लोगों से स्वदेशी निर्मित वस्तुओं का उपयोग करने और लोकल कारीगरों द्वारा निर्मित वस्तुओं को खरीदने की अपील की। विधायक ललित ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करने से न केवल हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि ग्रामीण अंचल के लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। इससे गरीब परिवार भी दीपावली त्यौहार को अच्छे से मना सकेंगे। उन्होंने कहा कि हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन 卐आत्मनिर्भर भारत卐 की परिकल्पना को साकार करने के लिए स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने प्रदेश वासियों से आग्रह किया है कि वे दीपावली त्यौहार के दौरान स्वदेशी वस्तुओं को प्राथमिकता दें और लोकल कारीगरों द्वारा निर्मित वस्तुएं खरीदें।

- राष्ट्रीय पोषण माह का हुआ भव्य समापन
- मेधावी बेटियों व कर्मियों का सम्मान, पोषण माह में उत्कृष्ट कार्यों की सराहना

कुपोषण नियंत्रण में दुर्ग की बड़ी उपलब्धि पोषण ट्रैकर में प्रदेश में मिला पहला स्थान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पोषण माह 2025 का समापन आज लोक निर्माण विभाग के सभागार में गरिमामय आयोजन के साथ किया गया। 17 सितंबर से 16 अक्टूबर तक चले इस पोषण अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री द्वारा 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान के शुभारंभ के साथ हुई थी। ग्रोथ मॉनिटरिंग डेटा के अनुसार पोषण ट्रैकर एप में दुर्ग जिला प्रदेश में सबसे कम कुपोषण वाले जिलों में पहले स्थान पर रहा। पोषण माह के दौरान जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में थीम आधारित गतिविधियाँ प्रतिदिन आयोजित की गईं।

समापन अवसर पर पोषण थाली, सलाद सजावट, रेडी-टू-ईट और छत्तीसगढ़ी व्यंजन प्रतियोगिताएं भी आयोजित हुई, जिसका निरीक्षण कलेक्टर अभिजीत सिंह द्वारा किया गया। कलेक्टर सिंह ने मेधावी छात्राओं,

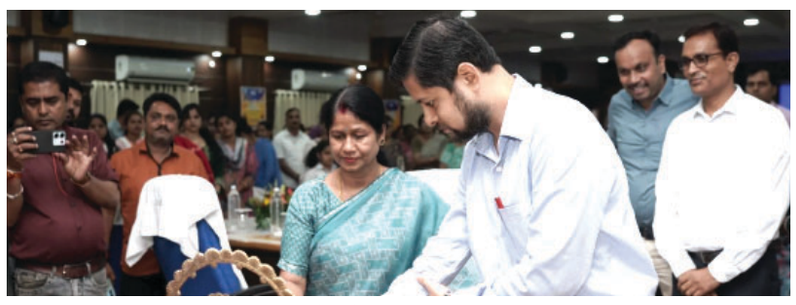

किशोरी बालिकाओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और पोषण माह में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही महापौर श्रीमती अलका बाघमार द्वारा प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने, पांच महिलाओं को पीएमएमवीवाय का चेक, छ.ग. महिला कोष का चेक, सक्षम योजना का चेक वितरण कर पांच महिलाओं का गोदभराई व पांच बच्चों को अन्नप्राशन कराया गया। कलेक्टर श्री सिंह ने समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पोषण ट्रैकर एप के माध्यम से की गई मॉनिटरिंग में दुर्ग जिला प्रदेश में पहले स्थान पर रहा है। यह उपलब्धि आप सभी की मेहनत और लगन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि कुपोषण की स्थिति में सुधार स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है। पोषण ट्रैकर के माध्यम से बच्चों के वजन, लंबाई, और आंगनबाड़ी केंद्रों की उपस्थिति की जानकारी सीधे मिल रही है।

कलेक्टर ने सभी से आह्वान किया कि वे डेटा में सिर्फ वास्तविक जानकारी ही दर्ज करें, ताकि बच्चों की वास्तविक स्थिति पता चल सके। खाद्य गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि आंगनबाड़ी केंद्रों में परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता से समझौता नहीं होना चाहिए। सभी सुपरवाइज़र और सीडीपीओ जब भी केंद्र का निरीक्षण करें स्वयं भोजन चखकर उसकी गुणवत्ता सुनिश्चित करें। अगर केंद्रों में किसी प्रकार की संसाधन की कमी है, तो विभाग द्वारा उसकी पूर्ति की जाएगी, लेकिन खाने में गड़बड़ी जैसी शिकायतें बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। आंगनबाड़ी केंद्र समय पर खुलें, कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं उपस्थित रहें और बच्चों के पोषण और देखभाल में कोई कमी न रहे, यही सुपोषण का सही मार्ग है। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास अधिकारी आर.के. जाम्बुलकर, डब्लूडीसीडीपीओ अजय साहू सहित सुपरवाईजर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बीएसपी की महाप्रबंधक पुष्पा एम्ब्रोस 'आइकॉनिक वीमेन इन लीडरशिप' पुरस्कार से सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्यरत महाप्रबंधक एवं डीएसओ (एसएमएस-3) पुष्पा एम्ब्रोस को हैदराबाद में ग्लोबल ट्रायम्फ फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक समारोह में प्रतिष्ठित 'आइकॉनिक वीमेन इन लीडरशिप' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें इस्पात उद्योग में उनके नेतृत्व, नवाचार के प्रति समर्पण और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के प्रयासों के लिए प्रदान किया गया।

सम्मान प्राप्त करने के पश्चात श्रीमती एम्ब्रोस ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि उन सभी महिलाओं के समर्पण, धैर्य और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है जो भारी उद्योगों जैसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में कार्यरत हैं। भिलाई इस्पात संयंत्र बिरादरी ने श्रीमती पुष्पा एम्ब्रोस को इस विशिष्ट सम्मान के लिए हार्दिक बधाई दी तथा इसे इस्पात उद्योग में महिला नेतृत्व की दिशा में प्रेरणादायी उपलब्धि बताया।

गौरा विसर्जन और छट पूजा को लेकर तालाबों की विशेष सफाई, आयुक्त मोनिका कर रही मॉनिटरिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। रिसाली निगम आयुक्त मोनिका वर्मा दीपावली और छट पूजा को लेकर तालाबों की सफाई करने अभियान चला रही है। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर त्यौहार को लेकर विशेष निर्देश दिए है। तालाबों की सफाई को लेकर 50 से भी अधिक कर्मचारियों को तैनात किया गया है। निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए है कि त्यौहार को ध्यान मे रखते हुए तालाबों की सफाई हर रोज किया जाए। लक्ष्मी पूजन के दिन गौरा-गौरी पूजा शुरू होगा। बाद में प्रतिमा विसर्जन किया जाएगा। पूजन सामाग्री

निकालने का कार्य खत्म होते ही बड़ी संख्या में लोग छट पूजा करने तालाबों तक पहुंचेगे। आयुक्त ने कहा है कि पूजा अर्चना में साफ-सफाई व्यवधान न हो। जिन तालाबों में कमल ककड़ी और जल कुम्भी है उसे अधिक से अधिक निकालने का कार्य करे। वहीं स्वच्छता एजेंसी को संसाधन उपलब्ध कराने कहा है। आयुक्त गुरूवार को कल्याणी मंदिर और व्हीआईपी नगर तालाब का निरीक्षण की। दीपावली और छट पूजा को लेकर आयुक्त मोनिका ने सब इंजीनियरों को जिम्मेदारी दी है। आयुक्त ने निर्देश दिए है कि जिस वार्ड में तालाब है उस वार्ड के सब इंजीनियर तालाब सफाई के प्रभारी होंगे। तालाबों में छट पूजा के लिए वे अस्थाई घाट का निर्माण करेंगे। समीक्षा बैठक में आयुक्त ने कहा कि दीपावली के बाद मानव बल की कमी होती है। इसे ध्यान में रखते हुए अधिकारी रोस्टर तैयार कर अभी से ड्यूटी लगाए। साथ ही प्रकाश व्यवस्था की विशेष ध्यान रखे।

इन तालाबों की सफाई

- हिंद नगर तालाब
- कल्याणी मंदिर तालाब
- मरोदा डेम
- शिव तालाब
- रूआबांधा तालाब
- पुरैना तालाब
- डुण्डेरा तालाब

जिला पंचायत परिसर दुर्ग में बिहान हाट चिन्हारी दुआरी मेला का शुभारंभ

स्व-सहायता समूहों की प्रदर्शनी सह विक्रय से गूंजा रजत महोत्सव परिसर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। रजत महोत्सव के अवसर पर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तहत बिहान हाट - चिन्हारी दुआरी मेले का शुभारंभ जिला पंचायत परिसर दुर्ग में किया गया। यह मेला 16 अक्टूबर से 18 अक्टूबर 2025 तक हिंदी भवन के बगल में आयोजित किया जा रहा है।

मेले का शुभारंभ फीता काटकर किया गया, जिसमें जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती बंजारे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे, जिला पंचायत सदस्यगण एवं विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन एवं सीईओ बजरंग कुमार दुबे के नेतृत्व में किया गया।

इस अवसर पर स्व-सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा निर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी सह विक्रय का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में जिले के सभी विकासखंडों से समूह सदस्य महिलाएँ शामिल हुईं, जिन्होंने अपने स्टॉलों में हस्तनिर्मित वस्तुएँ, घरेलू उत्पाद, अचार, पापड़, पूजन सामग्री एवं त्योहार से जुड़ी वस्तुएँ प्रदर्शित कीं। सीईओ बजरंग कुमार दुबे ने उपस्थित नागरिकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में मेला स्थल पहुंचकर स्थानीय उत्पादों की खरीदारी करें, जिससे ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में प्रोत्साहन मिले। उन्होंने कहा कि यह मेला न केवल महिलाओं की आत्मनिर्भरता का प्रतीक है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक सार्थक पहल भी है।

बिहान बाजारों के माध्यम से महिलाएँ अपने उत्पादों की बिक्री के साथ-साथ दैनिक उपयोग की वस्तुओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित कर रही हैं। दीपावली पर्व के मद्देनज़र मेले में विविध त्योहारीन उत्पादों की बिक्री की जा रही है, जिससे समूह की महिलाओं को आय का महत्वपूर्ण साधन प्राप्त हो रहा है।

मेले में बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी और नागरिकों ने पहुंचकर प्रदर्शनी का अवलोकन किया एवं समूहों द्वारा तैयार उत्पादों की खरीदारी कर महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। यह बिहान हाट चिन्हारी दुआरी मेला ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम साबित हो रहा है।

जिला न्यायालय दुर्ग में ग्रीन दीपावली कार्यशाला का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण के प्रति जनजागरूकता लाने के उद्देश्य से जिला न्यायालय दुर्ग में 16 अक्टूबर 2025 को ग्रीन दीपावली मनाएं - प्रदूषण मुक्त दीप जलाएं विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला जिला न्यायालय एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के संयुक्त तत्वाधान में न्यायालय परिसर स्थित नवीन सभागार में संपन्न हुई।

कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदय के करकमलों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं ग्रीन दीपावली के संकल्प के साथ किया गया। इस अवसर पर न्यायिक अधिकारीगण, न्यायालयीन कर्मचारीगण तथा पैरालीगल वॉलेंटियर्स बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यशाला में परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश थॉमस एक्का तथा जिला न्यायालय के उच्च न्यायिक सेवा अधिकारी प्रशांत पाराशर ने दीपावली के दौरान पटाखों से उत्पन्न ध्वनि एवं वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तेज आवाज वाले पटाखों एवं धुएं से पशु-पक्षियों, बच्चों एवं वरिष्ठ नागरिकों को गंभीर स्वास्थ्य हानि होती है। पाराशर ने वैज्ञानिक तथ्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि दीपावली के दौरान फोड़े जाने वाले पटाखों से PM 2.5 प्रदूषक का स्तर सामान्य से दस गुना तक बढ़ जाता है। इन धुएँ में सल्फर, जिंक, कॉपर, लेड, पोटेशियम नाइट्रेट, आर्सेनिक जैसे हानिकारक रसायन होते हैं।

बीएसपी के सामग्री प्रबंधन विभाग द्वारा विक्रेता मिलन समारोह का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सतर्कता जागरूकता पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत भिलाई इस्पात संयंत्र के सामग्री प्रबंधन विभाग द्वारा सतर्कता विभाग के सहयोग से विक्रेताओं के लिए एक संवादात्मक मिलन समारोह का आयोजन 14 अक्टूबर 2025 को इस्पात भवन में किया गया। यह आयोजन पारदर्शिता, ईमानदारी और नैतिक व्यावसायिक व्यवहार को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत सभी प्रतिभागियों द्वारा सत्यनिष्ठा की शपथ ग्रहण से हुई, जिसमें उपस्थित अधिकारियों और विक्रेताओं ने अपने सभी लेन-देन में निष्पक्षता और नैतिकता बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) ए. के. चक्रवर्ती मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता)एवं एसीवीओ सुनील सिंघल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। सामग्री प्रबंधन विभाग की ओर से मुख्य महाप्रबंधक के. सी. मिश्रा, मुख्य महाप्रबंधक ए. के. मिश्रा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। वहीं सतर्कता विभाग की ओर से महाप्रबंधक संदीप गुप्ता, सहायक महाप्रबंधक हिमांशु दवे तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति रही। इसके साथ ही बड़ी संख्या में स्थानीय विक्रेताओं ने भी समारोह में भाग लिया।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ सुनील सिंघल ने भिलाई इस्पात संयंत्र में नैतिक प्रशासन को सुदृढ़ करने हेतु सतर्कता विभाग द्वारा अपनाई गई नई पहलों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विक्रेताओं को भी अब सतर्कता जागरूकता गतिविधियों में सम्मिलित किया जा रहा है, जिससे सभी हितधारकों में पारदर्शिता और नैतिक आचरण के प्रति सजगता बढ़ेगी। श्री सिंघल ने यह भी उल्लेख किया कि संगठन की ईमानदारी और नीतिपरक कार्यसंस्कृति को बनाए रखने में विक्रेता समुदाय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर सामग्री प्रबंधन विभाग की टीम द्वारा पारदर्शिता और नैतिक व्यवहार विषय पर एक प्रस्तुति दी गई, जिसमें विक्रेता प्रबंधन में सतर्कता दृष्टिकोण, निविदा एवं आपूर्ति प्रक्रियाओं में दस्तावेज़ों की सत्यता सुनिश्चित करने की आवश्यकता तथा भिलाई इस्पात संयंत्र में आईएस/आईएसओ 37001:2016 प्रमाणित रिश्वत-रोधी प्रबंधन प्रणाली (एबीएमएस) के प्रभावी क्रियान्वयन पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का संचालन उप महाप्रबंधक यामिनी ताम्रकार ने किया व धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक सुकांत प्रधान ने दिया।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर...

रितु नाग ने बढ़ाया मान, राज्य स्तरीय स्पर्धा में जीता स्वर्ण पदक

रायपुर। सुकमा जिले की धरती एक बार फिर खेल के क्षेत्र में चमक उठी है। यहां की होनहार छात्रा रितु नाग ने अपने शानदार प्रदर्शन से जिले का नाम पूरे प्रदेश में रोशन किया है। रितु की इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि सुकमा की बेटियां मेहनत और लगन से हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने रितु की उपलब्धि के लिए बधाई और शुभकामनाएं देते उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

कोरबा जिले में 12 से 15 अक्टूबर 2025 तक आयोजित 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में रितु नाग ने बस्तर संभाग की हॉकी टीम में शामिल होकर बेहतरीन खेल दिखाया। उनकी टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) अपने नाम किया। इस सफलता से सुकमा ही नहीं, पूरे बस्तर संभाग का गौरव बढ़ गया है। रितु नाग वर्तमान में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, छिंदगढ़ में कक्षा 9वीं की छात्रा हैं और प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रही हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, जिला खेल अधिकारी विरूपाक्ष पौराणिक, सहायक खेल अधिकारी कमल कोसरिया और पीटीआई शिक्षिका श्रीमती योगिता नायक को दिया है।

सुधा ओपन स्कूल ने मनाया विश्व हस्त प्रक्षालन दिवस, बच्चों को सिखाई स्वच्छता की अहमियत

रायपुर। सुधा ओपन स्कूल अमासेओनी में आज विश्व हस्त प्रक्षालन दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती पुष्पा दुबे और विशिष्ट अतिथि श्रीमती रेखा तिवारी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को हाथ धोने की महत्ता और व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक करना था।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने कहा कि हाथ धोना बीमारियों से बचाव का सबसे सरल और प्रभावी तरीका है। स्वच्छ हाथ न केवल हमें

बल्कि हमारे आसपास के लोगों को भी संक्रमण से बचाते हैं। इस अवसर पर बच्चों को अमर सुपर मार्ट के सौजन्य से साबुन, लिक्विड हैंडवॉश और प्लास्टिक कवर वितरित किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत में सोसाइटी के चेयरमैन जीके भटनागर ने अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया।

स्कूल के बच्चों ने अतिथियों की उपस्थिति में स्वागत गीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिन्हें सभी ने सराहा। कार्यक्रम की सफलता में स्वयंसेवक श्रीमती भारती मरावी और मिस खुशी यादव का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में सोसाइटी की ओर से सभी बच्चों को जलपान कराया गया। समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। विद्यालय प्रशासन ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों में स्वच्छता की आदतें विकसित होती हैं और समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ती है।

भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण मंत्रोच्चार 21 को व 22 को चढ़ेगा निर्वाण लड्डू

रायपुर। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी, भैरव सोसायटी में 20 अक्टूबर को दीपावली पर्व, 21 अक्टूबर को भगवान महावीर स्वामी निर्वाण का दर्शन व जाप 22 अक्टूबर को निर्वाण कल्याणक व प्रथम गणधर गौतम स्वामी के कैवल्य कल्याणक का लड्डू चढ़ाने का कार्यक्रम प्रात: 5.30 बजे मनाया जाएगा। भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण पश्चात प्रात: मंदिर के पट्ट गुमानचंद संतोष चंद सुरेश चंद कांतिलाल मनोज कुमार जीतेन्द्र कुमार आशीष कुमार लविशकुमार मोक्ष कुमार झाबक, लालगंगा रीजेंसी परिवार द्वारा खोले जाएंगे। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद, महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि सकल श्रीसंघ द्वारा आध्यात्म योगी उपाध्याय भगवंत महेन्द्र सागर, उपाध्याय भगवंत मनीष सागर के सुशिष्य गुरुभगवंत की पावन निश्रा व विधिकारक अरविन्द गोलछा के साथ चैत्यवंदन की क्रिया की जावेगी।

लोकसभा सांसद खेल महोत्सव : पंजीयन के लिए नागरिकों को प्रोत्साहित करने की गई अपील

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम रायपुर के जोन 7 कार्यालय में जोन अध्यक्ष श्रीमती श्वेता विश्वकर्मा की अध्यक्षता एमआईसी सदस्य भोलाराम साहू, दीपक जायसवाल, पार्षद श्रीमती मीना ठाकुर सहित जोन 7 कमिश्नर राकेश शर्मा, कार्यपालन अभियंता ईश्वर लाल टावरे, और जोन 7 क्षेत्र के शासकीय व निजी स्कूलों के प्राचार्यों एवं पीटीआई खेल संगठनों के पदाधिकारियों की बैठक रखकर 15 से 19 नवंबर 2025 तक रायपुर में आयोजित होने जा रहे रायपुर लोकसभा सांसद खेल महोत्सव के आयोजन में अधिक से अधिक नागरिकों को जागरूक बनाकर भाग लेने प्रोत्साहित करने की अपील की गई है।

बैठक में सभी पार्षदों से अपील की गई कि वार्डो में नागरिको को जानकारी देकर जागरूक बनाकर आयोजन के स्टीकर में दिये गये क्यूआर कोड को स्कैन करवाकर महोत्सव का फार्म भरकर इसमे भाग लेने अधिक से अधिक नागरिकों को प्रोत्साहित

करे। इससे रायपुर नगर निगम क्षेत्र में आमजनों के मध्य खेलों के प्रति सकारात्मक वातावरण कायम हो। निर्देश दिये गये कि सभी 7 वाडों में सार्वजनिक स्थानों, उद्यानों, वाचनालयों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, देवालयो में रायपुर लोकसभा सांसद खेल महोत्सव के आयोजन की अधिक से अधिक नागरिकों को जानकारी देकर जागरूक बनाने स्टीकर अधिक से अधिक संख्या में लगवाने का अभियान पूर्वक कार्य किया जाये। रायपुर लोकसभा सांसद खेल महोत्सव में 13 विभिन्न विधाओं के खेल की स्पर्धाए रखी जायेगी एवं रायपुर नगर निगम में 10 जोन बीरगाव नगर निगम में 2 जोन और माना कैम्प नगर पंचायत में 1 जोन बनाकर महोत्सव में भाग लेने तेजी के साथ नागरिकों का पंजीयन क्यूआर कोड के माध्यम से उन्हे जागरूक बनाकर किया जा रहा है।

अंशिका बनीं प्रदेश की टॉपर, अब करेंगी राष्ट्रीय मंच पर प्रतिनिधित्व

रायपुर। रजत जयंती महोत्सव 2025 के अंतर्गत राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, रायपुर एवं छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी 2025 का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता विगत दिनों शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय रायपुर में संपन्न हुआ। संगोष्ठी का विषय था 'क्वांटम युग का आगाज- संभावनाएं एवं चुनौतियां'। इस प्रतियोगिता में सेजेस महलपारा, बैकुंठपुर (जिला कोरिया) की प्रतिभाशाली छात्रा कु. अंशिका कश्यप ने अपने उत्कृष्ट प्रस्तुतीकरण और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इसे नई वैज्ञानिक-तकनीकी क्रांतिश् कहा जाता है, क्योंकि इसमें कंप्यूटिंग, संचार व सेंसरिंग जैसी प्रणालियां क्वांटम कणों के असामान्य व्यवहार का लाभ उठाकर काम करती हैं। इसे इस तरह से समझ जा सकता है, सिक्के को उछालने पर गिरते ही वह या तो हेड होगा या टेल, लेकिन हवा में घूमते समय वह दोनों स्थितियों में 'एक साथ' रहता है, इसी तरह क्वांटम कण भी एक ही समय में बहुत-सी अवस्थाओं में हो सकते हैं, जिसे सुपरपोज़िशन कहते हैं। अंशिका ने यह उपलब्धि भौतिकी विषय की व्याख्याता श्रीमती शिल्पी सिंह के कुशल मार्गदर्शन में हासिल की है। राज्य स्तर पर शीर्ष स्थान प्राप्त करने के साथ ही कु. अंशिका कश्यप को अब राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करने का गौरव प्राप्त होगा। यह उपलब्धि न केवल उनके विद्यालय, बल्कि पूरे कोरिया जिले के लिए गर्व का विषय है। शिक्षाविदों और विज्ञान प्रेमियों ने अंशिका को इस शानदार सफलता के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि कोरिया की प्रतिभाओं की क्षमता और परिश्रम का प्रमाण है।

अब महिलाओं को नहीं लगना पड़ेगा पानी के लिए लाइन में, घर के नल से भरती हैं शुद्ध जल

पथरीली जमीन वाला गांव जिसकी वजह से बेटियां देने से हिचकते थे लोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिले के आरंग विकासखण्ड का ग्राम बिरबिरा, जो कभी प्यास और पानी की समस्या से जूझता था, आज हर घर नल से जल की मिसाल बन चुका है। पथरीली भूमि और सीमित जलस्त्रोतों के कारण यहां वर्षों तक ग्रामीणों को रोजाना कई किलोमीटर दूर जाकर पानी लाना पड़ता था। लेकिन अब हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। जल जीवन मिशन की बदौलत बिरबिरा गांव के घरों में शुद्ध पेयजल की धारा बह रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में यह परिवर्तन संभव हुआ है। नल से बहते जल ने न केवल ग्रामीणों की प्यास बुझाई है, बल्कि उनके चेहरों पर उम्मीद और खुशी की मुस्कान भी लौटाई है। मुख्यमंत्री श्री साय के निर्देशन तथा कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जल जीवन मिशन के अंतर्गत रायपुर जिला ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। जिले में 1,89,755 के लक्ष्य के विरुद्ध 1,81,301 घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं, जो 95.54 प्रतिशत उपलब्धि है। वहीं हर घर जल ग्राम प्रमाणीकृत कार्य में 477 ग्रामों में से

248 ग्रामों में योजनाएं हस्तांतरित की जा चुकी हैं। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के चलते रायपुर जिला प्रदेश में द्वितीय स्थान पर रहा है।

आरंग विकासखण्ड में 158 ग्रामों में योजनाएं स्वीकृत की गई हैं, जिनसे 2,67,344 परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। इनमें से 59,162 परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन मिल चुका है। अब तक 138 ग्रामों में कार्य पूर्ण और 83 ग्रामों में योजनाएं हस्तांतरित की जा चुकी हैं। गांव के 62 वर्षीय किसान रामआसरा साहू कहते हैं कि पहले हमें दूसरे गांवों से पानी लाना पड़ता था। पानी की कमी से घरों में तनाव का माहौल रहता था। अब हमारे घर में नल से शुद्ध पानी आ रहा है। यह हमारे लिए बहुत बड़ी राहत है। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार प्रकट करता हूं जिन्होंने हमारे जैसे गांवों तक यह योजना पहुंचाई।

वहीं 43 वर्षीय किसान देवेंद्र साहू बताते हैं कि कभी हमारे गांव में पानी की कमी इतनी थी कि लोग यहां बेटी की शादी करने से भी हिचकिचाते थे। अब हालात पूरी तरह बदल गए हैं। घर में नल से स्वच्छ पानी आ रहा है, बच्चे और महिलाएं खुश हैं। जल जीवन मिशन ने हमारे गांव का जीवन बदल दिया है। ग्राम सरपंच छम्मन साहू ने कहा कि पथरीली जमीन में जलस्त्रोत ढूंढना बहुत कठिन था, लेकिन प्रशासन ने हार नहीं मानी। निरंतर प्रयासों से गांव में जलापूर्ति संभव हुई।

आज 90 प्रतिशत घरों में नल से जल उपलब्ध है। पहले महिलाएं रातभर बोरिंग के पास लाइन में खड़ी रहती थीं, अब घर पर ही नल से पानी भर रही हैं। यह हमारे गांव के लिए ऐतिहासिक बदलाव है।

लोक सेवा यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता अनिल कुमार बच्चन ने बताया कि योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को उनके घर में शुद्ध पेय जल प्रदान किया जा रहा है। विभाग का प्रयास है कि शासन द्वारा दिए गए लक्ष्य को जल्द से जल्द प्राप्त कर लिया जाए। इस दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। बिरबिरा गांव की यह कहानी सिर्फ एक योजना की सफलता नहीं, बल्कि उस बदलाव की गवाही है जिसने ग्रामीण जीवन में सहजता, स्वच्छता और मुस्कान वापस लौटा दी है। अब हर घर में नल से नहीं, उम्मीदों से भी बह रहा है पानी।

प्रहरी अभियान : नगर निगम ने सड़क को करवाया कब्जामुक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। टीम प्रहरी अभियान के अंतर्गत रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार एवं नगर निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देशानुसार चलाये जाने वाले अभियान के अंतर्गत रायपुर नगर निगम क्षेत्र जोन क्रमांक 4 अतर्गत एक बार पुन: गोलबाजार एंट्री मुख्य मार्ग चिकनी मंदिर मालवीय रोड होकर जवाहर बाजार होते हुए जयस्तम्भ चौक होकर सिटी कोतवाली चौक से बैजनाथपारा मुख्य मार्ग तक जनहित में जनसुविधा हेतु नागरिकों को मुख्य बाजार क्षेत्र मार्गो में सुगम आवागमन उपलब्ध करवाने अभियान चलाया गया।

नगर निगम जोन 4 नगर निवेश विभाग की टीम और नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश उडनदस्ता की टीम द्वारा संयुक्त रूप से अभियान चलाते हुए आरएस शुक्ला मार्ग में मुख्य मार्ग एंट्री पाइंट चिकनी मन्दिर के दोनों ओर और जवाहर बाजार मार्ग होकर जयस्तम्भ चौक होते हुए बैजनाथपारा मुख्य मार्ग तक लगभग 12 अवैध ठेलों के कब्जे को हटाया गया और मार्ग के किनारे लगभग 10 पसरा व्यापारियो द्वारा सड़क पर कब्जा जमाकर रखे गये टेबल आदि सामानों को व्यवस्था सुधारने नियमानुसार कडाई के साथ जप्त कर लिया गया। इसी प्रकार टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत नगर निगम जोन 9 अंतर्गत मोवा ब्रिज से लेकर अंबुजा माल मुख्य मार्ग में अभियान चालकर जोन 9 नगर निवेश विभाग और निगम मुख्यालय नगर निवेश उड़न दस्ता की टीम द्वारा संयुक्त अभियान चलाकर लगभग 20 अवैध ठेलों, लगभग 30 अवैध टपरियों को मार्ग से हटाकर मुख्य मार्ग को अवैध कब्जों से मुक्त करते हुए यातायात जाम की समस्या से त्योहारी सीजन में त्वरित रूप रूप से नागरिकों और व्यापारियों को मुख्य मार्ग में सुगम आवागमन राजधानी शहर रायपुर में टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत उपलब्ध कराया गया।

स्टेनोग्राफर और टाईपिंग परीक्षा के लिए 30 अक्टूबर तक लिए जायेंगे आवेदन

10वीं पास और 16 वर्ष की उम्र के अभ्यर्थी भी कर सकते हैं आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शीघ्रलेखन (स्टेनोग्राफर) एवं मुद्रलेखन (टाईपिंग) कम्प्यूटर कौशल परीक्षा के लिए 30 अक्टूबर तक ऑनलाईन आवेदन किए जा सकते हैं। हिन्दी एवं अंग्रेजी स्टेनोग्राफी में 100 शब्द प्रति मिनट की गति एवं हिन्दी तथा अंग्रेजी कम्प्यूटर मुद्रलेखन में 5 हजार, 8 हजार, 10 हजार की-डिप्रेशन प्रति घंटा की गति के लिए यह परीक्षाएँ आयोजित की जा रही हैं। इस संबंध में जरूरी जानकारी और आवेदन शीघ्रलेखन एवं मुद्रलेखन कौशल परीक्षा परिषद् की वेबसाईट https://ctsp.cg.nic.in/ पर उपलब्ध हैं। इस परीक्षा में 10वीं कक्षा पास और 16 वर्ष की आयु पूरी कर चुके अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर 2025 निर्धारित की गई है।

कौशल परीक्षा परिषद् से प्राप्त जानकारी के अनुसार ऑनलाईन आवेदन भरते समय अभ्यर्थियों को अपनी सभी प्रविष्टियां भली भांति जांच समझकर एवं स्वयं संतुष्ट होने के बाद ही सम्मिट करना चाहिए। एक बार आवेदन सबमिट कर देने के पश्चात् संशोधन इत्यादि के लिए पृथक से कोई समय नहीं दिया जायेगा। परिषद द्वारा यथा संभव परीक्षा केन्द्रों में उपलब्ध कम्प्यूटर सिस्टम के अनुपात में निकटतम परीक्षा केन्द्र आवंटित करने का प्रयास किया जाएगा। परीक्षार्थी को उसी आवंटित परीक्षा केन्द्र पर परीक्षा देनी होगी। आवेदन पत्र भरते समय अभ्यर्थी को अपना नवीनतम रंगीन पासपोर्ट आकार, स्पष्ट फोटो का प्रयोग करना होगा। साईड पोज फोटो मान्य नहीं होगा। अभ्यर्थी को नमूना हस्ताक्षर के लिए काली स्याही का ही प्रयोग करना होगा। इसके बाद दोनों स्कैन कर आवेदन पत्र में निर्धारित स्थान पर अपलोड करना होगा।

हिन्दी अंग्रजी शीघ्रलेखन परीक्षा के लिए अनारक्षित एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को चार सौ रूपए एवं अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों को दो सौ रूपए परीक्षा शुल्क जमा करना होगा। इसी तरह सभी हिन्दी एवं अंग्रेजी कम्प्यूटर टाईपिंग परीक्षाओं के लिए अनारक्षित एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को तीन सौ रूपए एवं अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों को एक सौ

पचास रूपए परीक्षा शुल्क जमा करना होगा।

परिषद द्वारा परीक्षण के बाद आवेदन पत्र अपूर्ण, त्रुटिपूर्ण या भ्रामक जानकारी युक्त पाये जाने पर बिना किसी पूर्व सूचना के आवेदन निरस्त किया जा सकता है साथ ही परीक्षा शुल्क वापसी योग्य नहीं होगा। इसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व परीक्षार्थी का होगा। आवेदक किसी एक विषय हिन्दी, अंग्रेजी (गति 5000, 8000 एवं 10000 की डिप्रेशन प्रतिघंटा के मान से) की परीक्षा हेतु पृथक-पृथक गति के लिए आवेदन तो कर सकते हैं किन्तु एक ही गति की परीक्षा के लिए अलग-अलग परीक्षा केन्द्रों के लिए आवेदन नहीं कर सकते। इस प्रकार के आवेदन करने पर आवेदन निरस्त कर दिया जायेगा। आवेदक को ऑनलाईन आवेदन पत्र, व परीक्षा शुल्क की सम्पूर्ण प्रक्रिया उपरान्त लिये गये प्रिंट की एक प्रति अपने पास सुरक्षित रखने की सलाह दी जाती है। आवश्यकता पडने पर परिषद द्वारा मांगे जाने पर ऑनलाईन आवेदन पत्र इत्यादि अनिवार्यत: दिखाया जाना होगा। परिषद द्वारा आवेदनों के परीक्षण उपरान्त प्रवेश पत्र जारी किये जाएंगे जिसे ऑनलाईन ही डाऊनलोड किये जा सकेंगें। प्रवेश पत्र में अंकित परीक्षा केन्द्र पर ही अभ्यर्थी को परीक्षा दी जानी होगी। परीक्षा केन्द्र में परिवर्तन नहीं किया जावेगा।

परीक्षार्थियों को परीक्षा हॉल में प्रवेश करने के लिए अपना प्रवेश पत्र एवं शासन द्वारा जारी पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, मतदाता परिचय पत्र आदि में से एक मूल दस्तावेज साथ लाना अनिवार्य होगा अन्यथा प्रवेश नहीं दिया जावेगा। हिन्दी एवं अंग्रेजी शीघ्रलेखन परीक्षा हेतु परिषद् द्वारा छोटी शीघ्रलेखन पुस्तिका जिस पर बोर्ड की पहचान होगी, प्रदाय की जायेगी। परीक्षार्थी द्वारा शीघ्रलेखन पुस्तिका में लिखे गये आलेख को कम्प्यूटर पर टाईप करने के पश्चात् लिये गये प्रिंट पर नीचे की ओर अपने हस्ताक्षर करने होंगे साथ ही शीघ्रलेखन पुस्तिका के अंत में भी हस्ताक्षर करने होंगे। कम्प्यूटर पर मुद्रित करने हेतु प्रदाय किये गये पेपर के दाहिने सिरे पर अपना नाम एवं रोल नंबर अंकित करना होगा।

परीक्षार्थियों को परीक्षा हॉल में परिचय पत्र, प्रवेश पत्र, काला बॉल पाईंट पेन एवं पेंसिल-इरेजर के अतिरिक्त कोई भी सामग्री लाने की अनुमति नहीं होगी। सभी प्रकार के मोबाईल, स्मार्ट वाच, ब्लूटूथ उपकरण, इयरफोन, माइकोफोन इत्यादि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या अन्य कोई सामग्री परीक्षा हॉल में ले जाना मना होगा।

मुद्रलेखन कम्प्यूटर कौशल परीक्षा हेतु परीक्षा केन्द्र पर कम्प्यूटर पर परीक्षा प्रारंभ होने के 5 मिनट पूर्व अभ्यर्थी अपनी आई.डी. से लॉग-इन करने के पश्चात् प्रश्न-पत्र अवलोकन करने के लिए वितरित किए जाएंगे तथा पर्यवेक्षकों का निर्देश मिलने के बाद अभ्यर्थी स्टार्ट बटन से परीक्षा प्रारंभ करेंगे और 15 मिनट के बाद परीक्षा स्वत: ही समाप्त हो जावेगी।

उपभोक्ता जागरूकता शिविर का आयोजन, ई-हियरिंग सुविधा की दी गई जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिला उपभोक्ता आयोग महासमुंद द्वारा आम उपभोक्ताओं को ई-हियरिंग सुविधा के संबंध में जागरूक करने हेतु ग्राम बरोण्डा बाजार में एक दिवसीय उपभोक्ता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर पंचायत सभागृह में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला एवं पुरुष उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष गोपाल रंजन पाणीग्रही ने उपस्थितजनों को ई-जागृति पोर्टल, ई-फाइलिंग एवं ई-हियरिंग की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब उपभोक्ता घर बैठे ही अपनी शिकायत ऑनलाइन दर्ज कर न्याय प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने उपभोक्ताओं के अधिकारों और कर्तव्यों के विषय में भी विस्तार से बताया।

ग्राम पंचायत बरोण्डा बाजार के सरपंच लेखराज साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में प्रत्येक उपभोक्ता को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना आवश्यक है। आयोग की सदस्य टी. दुर्गा ज्योति एवं सदस्य गिरीश श्रीवास्तव ने उपभोक्ताओं के अधिकारों से संबंधित विस्तृत जानकारी साझा की। आयोग के डी.एम.ए. युवराज साहू ने तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार ई-फाइलिंग प्रणाली के माध्यम से उपभोक्ता अपने घर से ही शिकायत दर्ज कर सकते हैं और न्यायालय से जुड़ सकते हैं। शिविर में उपस्थित ग्रामीण महिलाओं ने उपभोक्ता अधिकारों से संबंधित जानकारी में रुचि दिखाई और इस सम्बन्ध में प्रश्न पूछे।

सारा अली खान ने Bollywood के दबाव के बीच मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने पर खुलकर बात की

सारा ने बताया कि वह हर चीज को अकेले संभालने की धारणा में यकीन नहीं रखतीं। बल्कि, वह अपनी भावनाओं को पहचानने और उनका सामना करने की ताकत में यकीन रखती हैं। उन्होंने कहा, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि ताकत अपनी भावनाओं को दबाने में नहीं, बल्कि उन्हें स्वीकार करने का साहस रखने में है। मेरे करियर में, दबाव बहुत ज्यादा हो सकते हैं, और यह महसूस करना आसान है कि मजबूत होने के लिए आपको 'सब कुछ खुद ही संभालना' होगा।

लेकिन मुझे जल्दी ही एहसास हो गया कि अपने मन का ख्याल रखना भी उतना ही जरूरी है जितना कि अपने शरीर का। थेरेपी और मानसिक स्वास्थ्य सहायता कमजोरी के लक्षण नहीं हैं; ये विकास, आत्म-जागरूकता और यह सुनिश्चित करने के साधन हैं कि आप सचमुच ठीक हैं।

एक बेहद तनावपूर्ण दौर को याद करते हुए, सारा ने कहा, एक समय था जब मैं मानसिक और भावनात्मक रूप से बहुत ज़्यादा परेशान महसूस कर रही थी, बस सब कुछ एक साथ उमड़ रहा था। इस चुनौतीपूर्ण दौर में, उन्हें अपनी माँ अमृता सिंह के साथ अच्छा समय बिताने और हल्के-फुल्के मनोरंजन जैसी छोटी-छोटी गतिविधियों में सुकून मिलता था। उन्होंने कहा, और उस दौर में, मुझे एहसास हुआ कि छोटी-छोटी चीजें कितनी जरूरी हैं, जैसे अपनी माँ के साथ समय बिताना या बस कुछ ऐसा देखना जिससे मुझे हँसी आती है इन छोटी-छोटी बातों ने मुझे खुद में वापस आने में वाकई मदद की।

थेरेपी के महत्व पर जोर देते हुए, सारा ने कहा, हमें मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बातचीत को सामान्य बनाने की जरूरत है, ठीक वैसे ही जैसे हम शारीरिक स्वास्थ्य के बारे में बात करते हैं। शिक्षा, जागरूकता और उदाहरण पेश करके आगे बढ़ना जरूरी है। जब सार्वजनिक हस्तियाँ, कार्यस्थल और परिवार खुलकर थेरेपी को विकास के एक साधन के रूप में चर्चा करते हैं, तो इससे निर्णय लेने के डर को दूर करने में मदद मिलती है।

मोनालिसा ने बिजुरिया गाने पर साड़ी में डांस करते हुए वीडियो किया शेयर

भोजपुरी अभिनेत्री मोनालिसा अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह चबिजुरियाज गाने पर साड़ी पहनकर डांस करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, थोड़ा डांसिंग मूड में, शॉट्स के बीच में और आखिर में इस गाने पर साड़ी में डांस करना।

मोनालिसा का यह अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन में तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

चबिजुरिया गाना इन दिनों सोशल मीडिया पर जबरदस्त ट्रेंड कर रहा है। कई लोग इस गाने पर रील्स बनाकर इस ट्रेंड का हिस्सा बन रहे हैं। यह गाना हाल ही में रिलीज हुई फिल्म च्सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का है, जो दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है।

इस गाने को मशहूर गायक सोनू निगम और असीस कौर ने अपनी मधुर आवाज में गाया है, जबकि इसका संगीत तनिष्क बागची और रवि पवार ने मिलकर तैयार किया है। गाने के बोल भी सोनू निगम और तनिष्क बागची की जोड़ी ने लिखे हैं।

दिलचस्प बात यह है कि चबिजुरिया का मूल संस्करण साल 1999 में रिलीज हुआ था। यह सोनू निगम के म्यूजिक एल्बम च्मौसम का सुपरहिट गाना था, जिसे सोनू निगम ने खुद गाया और लिखा था। उस समय इसका संगीत रवि पवार ने तैयार किया था, और यह गाना युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हुआ था। अब इसके नए वर्जन ने फिर से धूम मचा दी है।

फिल्म च्सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का लेखन और निर्देशन शशांक खेतान ने किया है। यह फिल्म धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी है और 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म की कहानी और इसके गाने दर्शकों को खूब भा रहे हैं।

टीवी के बाद अब यूट्यूब पर धमाल मचाएगी काजल राघवानी की 'बड़की दीदी-2'

भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री काजल राघवानी की फिल्म 'बड़की दीदी-2' जल्द ही यूट्यूब पर स्ट्रीम होने वाली है। मंगलवार को मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए जानकारी दी कि यह फिल्म 28 अक्टूबर को सुबह 8 बजे यूट्यूब चैनल पर रिलीज होगी। फिल्म का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर पहले ही हो चुका है, जिसे भोजपुरी दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी।

फिल्म को आईवीवाई एंटरटेनमेंट के बैनर तले रिलीज किया गया है। वहीं, यूट्यूब प्रीमियर की जानकारी काजल राघवानी ने भी इंस्टाग्राम के जरिए दी है। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म का पोस्टर जारी कर जानकारी दी कि फिल्म 28 अक्टूबर, शनिवार, सुबह 8 बजे यूट्यूब चैनल पर रिलीज की जाएगी।

आईवीवाई एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी 'बड़की दीदी-2' एक पारिवारिक और भावनात्मक कहानी है, जो दर्शकों के दिलों को छूने का वादा करती है। फिल्म में काजल राघवानी ने 'बड़की दीदी' की मुख्य भूमिका निभाई है।

कहानी एक ऐसी बड़ी बहन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने परिवार और छोटी बहनों की हर जरूरत को प्राथमिकता देती है। वह अपनी दो छोटी बहनों की शादी तय करती है और उनके सुख के लिए अपने सपनों का बलिदान दे देती है। लेकिन, कहानी तब दुखद मोड़ लेती है, जब बड़की दीदी को एक गंभीर बीमारी का पता चलता है, जिससे उनकी जिंदगी खतरे में पड़ जाती है।

फिल्म का निर्देशन मंजुल ठाकुर ने किया है, जबकि संदीप सिंह और मंजुल ठाकुर इसके प्रोड्यूसर हैं। कहानी मंजुल ठाकुर, संदीप सिंह और अरविंद तिवारी ने मिलकर लिखी है। फिल्म के गाने अरविंद तिवारी और प्यारे लाल यादव ने लिखे हैं, जिन्हें म्यूजिक डायरेक्टर ओम झा ने अपने मधुर संगीत से सजाया है। 'बड़की दीदी-2' में काजल राघवानी के साथ सपना चौहान, ऋतु चौहान, प्रशांत सिंह, प्रेम दुबे, गोपाल चौहान, माया यादव, रिंकू भारती, ललित उपाध्याय और अंजू रस्तोगी जैसे मंझे हुए भोजपुरी कलाकार नजर आएंगे।

विद्या बालन ने बताया आकर्षण के नियम की वजह से उन्हें मिली थी परिणीता

बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन ने सोमवार को बताया कि उन्हें अपनी पहली फिल्म परिणीता कैसे मिली थी। उन्होंने साथ में यह भी बताया कि फिल्म के निर्देशक प्रदीप सरकार के साथ काम करने का उनका अनुभव कैसा रहा। विद्या ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें वह सीखो ना नैनो की भाषा पिया गाने पर एक्टिंग करती दिखाई दे रही हैं। इस गाने के बारे में बात करते हुए विद्या ने बताया कि जब उन्होंने पहली बार यह गाना सुना, तो उन्हें तुरंत यह पसंद आ गया और वह प्रदीप सरकार जैसे निर्देशक के साथ काम करने के सपने देखने लगी थीं।

बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन ने सोमवार को बताया कि उन्हें अपनी पहली फिल्म च्परिणीताज कैसे मिली थी। उन्होंने साथ में यह भी बताया कि फिल्म के निर्देशक प्रदीप सरकार के साथ काम करने का उनका अनुभव कैसा रहा। विद्या ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें वह सीखो ना नैनो की भाषा पिया गाने पर एक्टिंग करती दिखाई दे रही हैं। इस गाने के बारे में बात करते हुए विद्या ने बताया कि जब उन्होंने पहली बार यह गाना सुना, तो उन्हें तुरंत यह पसंद आ गया और वह प्रदीप सरकार जैसे निर्देशक के साथ काम करने के सपने देखने लगी थीं।

विद्या ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, मुझे गानों पर लिप सिंक करना बहुत पसंद है और यह गाना मुझे बहुत पसंद है। जब मैंने इसे पहली बार देखा, तो मैं प्रसून जोशी के गीत से उतनी ही प्रभावित हुई जितनी कि इसके फिल्मांकन से। इसी दौरान मेरे मन में इस कुशल कहानीकार प्रदीप सरकार के साथ काम करने की इच्छा भी जागी।

इसमें उन्होंने आगे बताया कि कैसे उन्हें अपनी पहली फिल्म परिणीता मिली। उन्होंने आगे लिखा, मुझे पता भी नहीं था कि ब्रह्मांड ने अपना जादू चलाना शुरू कर दिया है। कुछ साल बाद मुझे दादा के साथ एक विज्ञापन फिल्म मिली और फिर किस्मत से मुझे उनके तीन म्यूजिक वीडियो में भी काम करने का मौका मिला। सबसे खास बात यह थी कि चकिस्सों की चादर एल्बम में काम करने का मौका मिला। इतना ही नहीं, आखिरकार दादा ने मुझे परिणीता में लॉन्च किया। आकर्षण के नियम को श्रेय देते हुए विद्या ने अंत में कहा, मुझे नहीं पता कि इसे आकर्षण का नियम कहा जा सकता है या नहीं, लेकिन मुझे पता है कि मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं, जैसे मैं जीवन में बहुत सी दूसरी चीजों के लिए हूं।

प्रदीप सरकार की फिल्म परिणीता को कुछ समय पहले ही रिलीज हुए 20 साल पूरे हुए। इस मौके पर मूवी को फिर से री-रिलीज किया गया था। यह फिल्म शरत चंद्र चट्टोपाध्याय के 1914 के प्रतिष्ठित बंगाली उपन्यास पर आधारित है। इस फिल्म में विद्या बालन और सैफ अली खान की जोड़ी नजर आई थी।

कुब्रा सैत ने जीता दर्शकों का दिल, एक्ट्रेस ने साबित किया अपनी ईमानदारी, टैलेंट और 2025 की वर्सटिलिटी का परफेक्ट संगम हैं वो

2025 वाकई कुब्रा सैत के लिए एक यादगार साल साबित हुआ है। शाहिद कपूर की देवा में अहम भूमिका निभाने के बाद, अजय देवगन की सन ऑफ सरदार-2 में अपने मस्तीभरे और एनर्जेटिक अंदाज से दर्शकों को एंटरटेन करने वाली कुब्रा ने इस साल रियलिटी शो राइज एंड फॉल में भी शानदार डेब्यू किया। शो में उनकी एंट्री ने सबका ध्यान खींच लिया। उनकी ईमानदारी, चार्म और आत्मविश्वास ने उन्हें सीजन की सबसे एंटरटेनिंग और निडर पर्सनैलिटीज में से एक बना दिया।

इतना ही नहीं, उन्होंने काजोल के साथ द ट्रायल सीजन-2 में स्क्रीन शेयर की, जिससे उन्होंने एक बार फिर ये साबित कर दिया कि वो ड्रामा, ह्यूमर और रियलिज्म के बीच बखूबी संतुलन बना सकती हैं। वाकई, 2025 कुब्रा के करियर का सुनहरा साल रहा है। हाल ही में कुब्रा सैत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक चेश्चन एंड आंसर सेशन रखा। सेशन के दौरान एक फैन ने पूछा, आप इतनी अच्छी कॉमेडी और सीरियस रोल दोनों कैसे निभा लेती हैं? इस पर एक्ट्रेस ने जवाब दिया, कॉमेडी या सीरियस रोल अच्छा तभी बनता है जब स्क्रिप्ट अच्छी हो, तो एक और फैन ने पूछा, ट्रायल में आपका एक्सपीरियंस कैसा रहा? वैसे, आप मेरी फेवरेट एक्टर हैं!

कुब्रा ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, ओह थैंक यू! ये मेरा पहला दूसरा सीजन था। बहुत मजा आया! एक अन्य फैन ने कुब्रा के मल्टी-फेसिटेड टैलेंट की तारीफ करते हुए लिखा, आप तो रॉकस्टार हैं! फिल्म्स, OTT, होस्टिंग और अब रियलिटी शो — कैसे मैनेज करती हैं सब कुछ! कुब्रा ने अपने सिग्नेचर स्टाइल में जवाब दिया, मैं एक वॉल्केनो ऑफ टैलेंट हूं।

द ट्रायल सीजन-2 में कुब्रा सैत ने फिर से अपने मशहूर किरदार सना शेख की भूमिका निभाई। पहले सीजन में इस किरदार को दर्शकों से खूब प्यार मिला था, और दूसरे सीजन में उन्होंने अपनी दमदार परफॉर्मेंस से शो में एक नई एनर्जी और डायनमिक्स जोड़ दी। वहीं दूसरी ओर, द ट्रायल सीज़न 2 के अलावा कुब्रा सैत जल्द ही वरुण धवन और मृणाल ठाकुर के साथ है जवानी तो इश्क होना है में नजर आने वाली हैं।

धीरे-धीरे कम होंगे डार्क सर्कल्स, अपनाएं ये दो मिनट की असरदार फेस एक्सरसाइज

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में हम सेहत को पीछे छोड़ते हुए जा रहे हैं। खासकर मानसिक थकान, नींद की कमी और गलत खानपान की वजह से हमारी त्वचा और आंखों के नीचे पड़ने वाले काले घेरे यानी डार्क सर्कल्स एक आम समस्या बन चुके हैं। चाहे वो ऑफिस में लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठना हो या फिर देर रात तक मोबाइल चलाना, इन सब चीजों के कारण डार्क सर्कल्स और भी गहरे होते जाते हैं, जो चेहरे की खूबसूरती को बिगाड़ते हैं। ऐसे में हर कोई इससे निजात पाना चाहता है, वो भी बिना किसी महंगे इलाज या केमिकल प्रोडक्ट्स के।

आयुष मंत्रालय और योग विशेषज्ञों के अनुसार, कुछ आसान घरेलू उपाय और फेस एक्सरसाइज न केवल डार्क सर्कल्स से राहत दिला सकती हैं, बल्कि चेहरे की त्वचा को भी जवान और दमकता हुआ बना सकती हैं। इन्हीं में से एक बेहद सरल लेकिन प्रभावी उपाय है चेहरे की एक खास एक्सरसाइज, जिसे आप दिन में कभी भी कर सकते हैं। इस एक्सरसाइज को न तो किसी खास उपकरण की जरूरत होती है, न ही किसी महंगे ब्यूटी ट्रीटमेंट की।

इस एक्सरसाइज की शुरुआत गुनगुने पानी से होती है। सबसे पहले, एक गिलास हल्का गुनगुना पानी लें और उसे मुंह में भर लें। अब, मुंह में पानी भरे रहने के दौरान अपने चेहरे की सभी मांसपेशियों को जितना हो सके टाइट करें। इस स्थिति में करीब दो मिनट तक रुकें।

इसके बाद पानी को बाहर निकाल दें। दिखने में यह एक्सरसाइज जितनी आसान लगती है, असर में यह उतनी ही दमदार है।

यह प्रक्रिया चेहरे की भीतरी मांसपेशियों को हल्की स्ट्रेच देती है, जिससे वहां ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। जब चेहरे की कोशिकाओं तक भरपूर ऑक्सीजन और पोषक तत्व पहुंचते हैं, तो त्वचा स्वाभाविक रूप से स्वस्थ और दमकती दिखती है। आंखों के नीचे की सूजन धीरे-धीरे कम होने लगती है और काले घेरे हल्के पड़ने लगते हैं। इसके अलावा, चेहरे को टाइट करने से स्किन की टोनिंग होती है, जिससे झुर्रियों की शुरुआत भी रोकी जा सकती है।

इस एक्सरसाइज को रोजाना दिनचर्या में शामिल करने की सलाह दी जाती है, खासकर उनके लिए जो दिनभर स्क्रीन के सामने रहते हैं या जिनकी नींद पूरी नहीं हो पाती। ऐसे लोगों में डार्क सर्कल्स का खतरा कई गुना ज्यादा होता है, क्योंकि लगातार थकान और नींद की कमी से आंखों के नीचे की त्वचा सबसे पहले प्रभावित होती है।

फेस टाइटनिंग एक्सरसाइज न केवल इस क्षेत्र की मांसपेशियों को मजबूत करती है, बल्कि मानसिक सुकून भी देती है। जब हम इसे करते हैं, तब हम अनजाने में कुछ देर के लिए गहरी सांसें भी लेने लगते हैं, जिससे शरीर और दिमाग को शांति मिलती है। यह भी एक वजह है कि इसे एक तरह का माइक्रो मेडिटेशन भी कहा जा सकता है, जो चेहरे पर भी असर करता है और मन पर भी।

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से तकनीकी शिक्षा को मिली नई दिशा - तकनीकी शिक्षा मंत्री खुशवंत साहेब
- छत्तीसगढ़ राज्य में तकनीकी शिक्षा को नई ऊँचाइयाँ मिले

एनईपी-2020 नए छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम - टंक राम वर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के प्रभावी क्रियान्वयन विषय आयोजित कार्यशाला केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि नए छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन 2047 के अनुरूप भारत को विकसित एवं समृद्ध राष्ट्र बनाने में नई शिक्षा नीति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। छत्तीसगढ़ शासन के तकनीकी शिक्षा मंत्री खुशवंत साहेब ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रहकर विद्यार्थियों को व्यावहारिक, कौशल आधारित एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति से छत्तीसगढ़ राज्य में तकनीकी शिक्षा को नई ऊँचाइयाँ मिले।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के प्रभावी क्रियान्वयन एवं इस विषय पर मार्गदर्शन के उद्देश्य से आज रायपुर स्थित न्यू सर्किट हाउस में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला तकनीकी शिक्षा विभाग एवं स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुई। मंत्री वर्मा ने कहा कि नई शिक्षा नीति भारत की शिक्षा व्यवस्था को 21 वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप ढालने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल है। उन्होंने बताया कि राज्य में अब तकनीकी शिक्षा संचालनालय के अधीनस्थ तथा स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि एनईपी-2020 से तकनीकी शिक्षा को नई दिशा मिली है, जिसमें कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार को विशेष प्राथमिकता दी गई है। मल्टीपल एंट्री-एग्जिट सिस्टम, एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट और इंडस्ट्री लिंक्ड करिकुलम जैसी व्यवस्थाएं शिक्षा को अधिक लचीला और उपयोगी बना रही हैं। श्री वर्मा ने कहा कि कोई भी नीति या योजना तभी सफल होती है जब हम सब मिलकर उस पर कार्य करें।

उन्होंने शिक्षकों को परिवर्तन के वास्तविक वाहक बताते हुए कहा कि उनकी सक्रिय भागीदारी से ही नीति के उद्देश्यों की पूर्ति संभव है। मंत्री खुशवंत साहेब ने कहा कि तकनीकी शिक्षा में भारतीय ज्ञान परंपरा, नवाचार और कौशल विकास को प्रायोगिक स्तर पर सम्मिलित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने शिक्षकों और संस्थानों से आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों को प्रयोग, अनुसंधान और उद्यमिता के लिए प्रेरित करें, ताकि वे आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सकें।

कार्यशाला में नीति क्रियान्वयन की दिशा में साझा प्रयास पर बल

कार्यशाला में कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग तथा उच्च शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, विश्वविद्यालयों के कुलपति, प्राध्यापकगण, तकनीकी संस्थानों के प्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन में साझा समझ, समन्वय और नवाचारपूर्ण दृष्टिकोण आवश्यक है, ताकि छत्तीसगढ़ राज्य में तकनीकी शिक्षा को नई ऊँचाइयाँ मिल सकें।

उन्होंने कहा कि एनईपी-2020 के माध्यम से तकनीकी शिक्षा का ढांचा अधिक लचीला, उद्योगोन्मुखी और समकालीन बनाया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों को मल्टीपल एंट्री-एग्जिट सिस्टम, एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट और इंडस्ट्री लिंक्ड करिकुलम जैसी सुविधाओं का लाभ प्राप्त होगा।

मिट्टी के दीयों से घर-आंगन जगमगाने वाली ललमोतिया की दिवाली इस बार होगी खास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अम्बिकापुर जिले के ग्राम कुमरता की कुम्हार महिला ललमोतिया की इस बार की दिवाली पहले से कहीं ज्यादा खास रहने वाली है। मिट्टी के दीये बनाकर लोगों के घरों को रोशन करने वाली ललमोतिया की मेहनत को अब शासन की महतारी वंदन योजना से नया सहारा मिला है।

योजना से मिली आर्थिक सहायता के चलते उन्होंने इस वर्ष दीयों और कलशों की मात्रा बढ़ाई, जिससे उनकी कमाई दोगुनी हो गई है। ललमोतिया बताती हैं कि यह उनका पारंपरिक व्यवसाय है वे मिट्टी से दीये, कलश और अन्य सामग्री बनाकर जीवन-यापन करती हैं। पहले सीमित आमदनी के कारण उत्पादन बढ़ाना मुश्किल था, क्योंकि मिट्टी की व्यवस्था से लेकर भट्टी में पकाने तक हर चरण में मेहनत और खर्च दोनों अधिक लगते थे। लकड़ी, कोयला और अन्य सामग्रियों की व्यवस्था करने में भी कठिनाई होती थी।

उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत हर माह मिलने वाले एक हजार रुपये को उन्होंने बचाकर दिवाली के लिए उपयोग किया। इस राशि से आवश्यक सामग्री खरीदी और उत्पादन की मात्रा बढ़ा

दिया। अब वे पहले की तुलना में अधिक दीये बना रही हैं, जिससे बिक्री और आय दोनों में वृद्धि हुई है। पहले वे केवल अपने गांव के बाजार में सामग्री बेचती थीं, पर अब नवानगर, दरिमा, कर्रा और टपरकेला जैसे आसपास के बाजारों में भी अपने उत्पाद बेचने जाती हैं। ललमोतिया कहती है कि पहले लगा था कि पारंपरिक काम छोड़कर मजदूरी करनी पड़ेगी, लेकिन महतारी वंदन योजना ने हमारी उम्मीदों को फिर से जगाया। इस योजना ने न केवल हमारी आर्थिक स्थिति सुधारी है बल्कि हमारी कला और परंपरा को भी संजोने का अवसर दिया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि यह योजना उनके परिवार के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इस बार उनकी भी दिवाली खुशियों और रोशनी से भरपूर होगी।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी बायोमैट्रिक पद्धति से होगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी बायोमैट्रिक पद्धति से की जाएगी। किसानों की सुविधा के लिए धान उपार्जन केन्द्रों में ऑफ्लाईन के अलावा मोबाइल एप के माध्यम से ऑनलाईन टोकन जारी किए जाएंगे। सचिव, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम, प्रबंध संचालक विपणन संघ एवं संचालक खाद्य विभाग के मार्गदर्शन में आज सरगुजा एवं दुर्ग संभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को व्यवस्थित और पारदर्शी ढंग से धान खरीदी सम्पन्न कराने के लिए पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी गई। अलग-अलग संभागों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम 17 अक्टूबर तक चलेगी। धान खरीदी का कार्य 15 नवंबर से प्रारंभ होगा।

प्रशिक्षण में अधिकारियों ने बताया कि विपणन संघ मुख्यालय

स्तर पर इन्टीग्रेटेड कन्ट्रोल एंड कमांड सेन्टर की स्थापना की जाएगी एवं मोबाईल एप्प के माध्यम से विभिन्न प्रकार के एलर्ट आदि भेजे जाएंगे। उपार्जन केन्द्रों में धान के उचित रखरखाव, किसानों की सुविधाओं के संबंध में व्यवस्था किये जाने हेतु उपार्जन केन्द्र प्रभारियों और इससे जुड़े अधिकारियों को प्रशिक्षण में जानकारी दी गई। उपार्जन केन्द्रों को गतवर्षों में दर्ज प्रकरणों एवं संभावित अनियमितताओं के आधार पर संवेदनशील तथा सामान्य में वर्गीकृत किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा संवेदनशील उपार्जन केन्द्रों में विशेष निगरानी रखी जावेगी। इन केन्द्रों में पृथक से नोडल अधिकारी भी नियुक्त किये जायेगें। जिनके द्वारा समय-समय पर उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण किया जाएगा। इसके अलावा इन्टीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेन्टर से प्राप्त अलर्ट मैसेज के आधार पर उड़नदस्ता द्वारा तत्काल कार्यवाही की जाएगी। प्रदेश के सीमावर्ती उपार्जन केन्द्रों में पर्याप्त चेक पोस्ट की स्थापना की जा रही है, जिससे अवैध धान के आवक को रोका जा सके।

जिलों में धान उपार्जन वर्ष 2025-26 का प्रशिक्षण कार्य 31 अक्टूबर 2025 तक जिला एवं अनुविभाग में पूर्ण करा लिया जावे। गतवर्ष की भाँति इस वर्ष भी बायोमेट्रिक आधारित धान उपार्जन किया जाएगा। वहीं 3 नवंबर से 6 नवंबर के मध्य उपार्जन केन्द्रों में ट्रायल रन का आयोजन होगा एवं 9 नवंबर से टोकन आवेदन किया जा सकेगा। धान खरीदी के लिए सीमांत एवं लघु कृषकों को 02 टोकन एवं दीर्घ कृषकों को अधिकतम 03 टोकन प्रदाय किया जा सकेगा। अत: सभी जिलों को 30 अक्टूबर तक धान उपार्जन से संबंधित सभी तैयारी पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया है।

प्रशिक्षण में अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष समितियों को शार्टेज की मात्रा निरंक करने तथा शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए सुचारू रूप से धान उपार्जन पूर्ण करने पर नियमानुसार इन्सेटिव का भी प्रावधान रखा गया है। भारत सरकार द्वारा उपार्जन केन्द्रों के स्वमूल्यांकन हेतु उपलब्ध पोर्टल पीसीएसएपी में उपार्जन केन्द्रों द्वारा धान खरीदी के संबंध मे आवश्यक व्यवस्था पूर्ण कर लेने के उपरांत प्रविष्टि करनी होगी। प्रविष्टि के आधार पर एल-4 ग्रेडिंग पाये जाने पर ही इन्सेटिव की पात्रता उप समिति को होगी।

परिवहन सेवा से बदली महिलाओं की दुनिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ने ग्रामीण महिलाओं के जीवन में नया उजाला भर दिया है। इस मिशन के माध्यम से गांवों की साधारण गृहणियाँ अब आत्मनिर्भर बनकर समाज में नई पहचान बना रही हैं। ऐसी ही एक प्रेरक कहानी है दंतेवाड़ा जिले के ग्राम पंचायत फरसपाल की महिलाओं की है, जिन्होंने मेहनत, लगन और सरकारी योजनाओं की मदद से स्वावलंबन की मिसाल पेश की है।

ग्राम फरसपाल की गंगादेवी स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने मिलकर एक टाटा मैजिक वाहन

खरीदा और आस-पास के गांव आलनार, कुंदेनार, दंतेवाड़ा और गीदम तक परिवहन सेवा शुरू की। इस सेवा से अब ग्रामीणों को आने-जाने में आसानी हो रही है, वहीं महिलाओं को भी स्थायी आमदनी का जरिया मिल गया है। दंतेवाड़ा जिला प्रशासन की ओर से इन महिलाओं को ड्राइविंग प्रशिक्षण दिया गया। समूह ने वाहन संचालन के लिए एक ड्राइवर का चयन किया और मिल-जुलकर यह सेवा सफलतापूर्वक शुरू की। आज यह टाटा मैजिक रोजाना सैकड़ों ग्रामीणों की यात्रा का भरोसेमंद साधन बन चुकी है।

समूह की सदस्य श्रीमती यन्ति ठाकुर इस पूरी परिवहन सेवा का हिसाब-किताब और लेखा प्रबंधन देखती हैं। वे बताती हैं कि पहले सिर्फ एक गृहणी थी, जीवन सीमित आय में गुजारती थी, पर जब गंगादेवी स्व-सहायता समूह से जुड़ी, तो बचत और प्रशिक्षण ने उसकी जीवन बदल दिया। अब हम महिलाएं भी अपने परिवार की आमदनी बढ़ा रही हैं।

आज समूह की मासिक आय लगभग 26 हजार रुपए तक पहुँच गई है। महिलाओं ने इस कमाई से अपने घरों की आर्थिक स्थिति सुधारी है और बच्चों की शिक्षा, घर की जरूरतों तथा बचत तीनों में संतुलन बना लिया है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत शुरू हुई यह पहल दिखाती है कि जब महिलाओं को अवसर और सहयोग मिलता है, तो वे न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे गांव की प्रगति में भागीदार बन जाती हैं। फरसपाल की गंगादेवी स्व सहायता समूह की कहानी, ग्रामीण महिलाओं की मेहनत, आत्मविश्वास और शासन की योजनाओं के सफल संगम की प्रेरक मिसाल है। अब फरसपाल की सड़कों पर चल रहे वाहन सिर्फ वाहन नहीं, बल्कि महिलाओं के सपनों की सवारी बन चुकी है।

सरस्वती सायकल वितरण योजनाः शिक्षा को मिलेगा नया संबल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सरस्वती साइकिल योजना के तहत आज जिला मुख्यालय मुंगेली स्थित पीएमश्री बी.आर.साव शासकीय हिंदी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 73 छात्राओं को निःशुल्क साइकिल वितरित की गई। समारोह में केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू सहित स्थानीय विधायक पुन्नूलाल मोहले, जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पांडेय सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन किया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय राज्यमंत्री साहू ने कहा कि साइकिल से शिक्षा की राह आसान

बनेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का उद्देश्य हर विद्यार्थी तक शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करना है। उन्होंने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई कर नाम रोशन करने प्रोत्साहित किया। विधायक मोहले ने भी विद्यार्थियों को पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने प्रेरित किया।

इस दौरान गणमान्य नागरिक दीनानाथ केशरवानी, नगर पालिका अध्यक्ष रोहित शुक्ला एवं उपाध्यक्ष जयप्रकाश मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे। विद्यालय के प्राचार्य और शिक्षकों की उपस्थिति में साइकिल वितरण से छात्राओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

मोर गांव मोर पानी अभियान से सरगुजा जिला बना जल आत्मनिर्भर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जनभागीदारी और शासन की पहल से पुनर्जीवित हुए पारंपरिक जल स्रोतसरगुजा जिले में 'मोर गांव मोर पानी' महा अभियान के तहत भू-जल स्तर में गिरावट को रोकने, वर्षा जल संचयन को प्रोत्साहित करने और पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण के लिए व्यापक कार्य किए गए हैं। छत्तीसगढ़ शासन का उद्देश्य था कि प्रत्येक गांव अपने जल स्रोतों का संरक्षण कर जल आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़े, ताकि आने वाले समय में जिले को जल संकट से मुक्ति मिल सके।

मोर गांव मोर पानी महा अभियान के अंतर्गत सरगुजा जिले के विभिन्न विकासखण्डों अम्बिकापुर, मैनपाट, लखनपुर, बतौली, सीतापुर, लुण्ड्रा, और उदयपुर में वर्षा जल संचयन के लिए विशेष कार्ययोजनाएं तैयार की गई हैं। इन क्षेत्रों में 'रीज टू वैली' की अवधारणा पर आधारित तकनीकों का उपयोग किया गया है, ताकि वर्षा का प्रत्येक बूंद भूमि में समाहित होकर भूजल को समृद्ध कर सके।

इस दिशा में स्ट्रेगर्ड कंटूर ट्रेंच 09, सतत कंटूर ट्रेंच 01, लूज बोल्डर चेक डैम 299, गैबियन स्ट्रक्चर 02, ब्रशवुड

चेक डैम 133, अर्दन गली पल्ग 315, सोकपिट निर्माण 14840 तथा सैंड फिल्टर रिचार्ज 17 यूनिट्स का निर्माण बड़े पैमाने पर किया गया है। ये संरचनाएं बरसात के पानी को बहने से रोककर भूमि में रिसने में मदद करती हैं, जिससे भू-जल पुनर्भरण में वृद्धि होती है।

अभियान के तहत जिले के विभिन्न ग्रामों में स्थित पुराने कुएं, तालाब, नालों और चेकडैमों का गहरीकरण और मरम्मत कार्य किया जा रहा है। कई स्थानों पर वर्षों से सूखे पड़े तालाबों में पुनः जल संचित होना शुरू हो गया है, जिससे ग्रामीणों को घरेलू उपयोग एवं पशुपालन के लिए

पर्याप्त पानी उपलब्ध हो रहा है।

भू-जल स्तर में सुधार होने से किसानों को अब सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल रहा है। पहले जहां केवल एक फसल संभव थी, वहीं अब किसान रबी और खरीफ दोनों सीजन में फसलें ले पाएंगे। साथ ही डबरी निर्माण, नालों पर चेकडैम और तालाबों से खेतों में नमी बनी रहने लगी है, जिससे खेती की उत्पादकता और आमदनी में वृद्धि होगी।

जनभागीदारी से चलाया गया जल संरक्षण आंदोलन: मोर गांव मोर पानी महाभियान केवल शासन की पहल नहीं, बल्कि इसे एक जन आंदोलन का स्वरूप दिया गया है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में जनप्रतिनिधि, स्वयं सहायता समूहों, युवाओं और ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। इन समूहों को जल संरक्षण तकनीकों, वर्षा जल संचयन विधियों, भूजल पुनर्भरण और पर्यावरणीय संतुलन के प्रति जागरूक किया गया। जिले के स्कूलों और महाविद्यालयों में भी विद्यार्थियों के बीच 'मोर गांव मोर पानी महाभियान' विषय पर रैलियां, निबंध प्रतियोगिताएं और जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। मोर गांव मोर पानी महा अभियान के चलते जिले में कई स्थानों पर भू-जल स्तर में 1 से 2 मीटर तक सुधार दर्ज किया गया है। पहले जिन गांवों में गर्मी के मौसम में पेयजल संकट था, वहां अब हैंडपंप और कुएं सुचारू रूप से चल रहे हैं। शासन का लक्ष्य है कि आने वाले वर्षों में जिले के प्रत्येक गांव में पर्याप्त जल संरचनाएं निर्मित हों, ताकि सरगुजा जल आत्मनिर्भर जिला के रूप में विकसित हो सके।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

खदान में हादसा, महिला की मौत

बलरामपुर। छुहीमिट्टी खदान धंसने से एक महिला की मौत हो गई, वहीं एक घायल हो गईं। दो महिलाएं बाल-बाल बचीं। महिलाओं की चीख-पुकार सुनकर स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर मृत व घायल व महिला को बाहर निकाला। घटना वाड्रफनगर पुलिस चौकी क्षेत्र के मदनपुर की है। दिवाली के अवसर पर घर की पुताई के लिए ग्रामीण महिलाएं छुहीमिट्टी खदान से मिट्टी निकाल रही थीं। इस दौरान ऊपरी हिस्सा भरभरा कर गिर पड़ा, जिससे एक महिला की नीचे दबने से मौत हो गई, वहीं एक घायल हो गई। महिलाओं की चीख-पुकार सुनकर पहुंचे स्थानीय लोगों ने महिलाओं को बाहर निकाला। घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

एक बाइक पर 5 युवक सवार, खतरनाक स्टंटबाजी

बिलासपुर। शहर के मुक्तिधाम रोड से सीपत चौक के बीच एक खतरनाक घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि 5 युवक एक ही बाइक पर सवार हैं और किसी के पास भी हेलमेट नहीं है। इस तरह का ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन सड़क पर दुर्घटनाओं को आमंत्रित करता है और नागरिकों के जीवन के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है।

स्थानीय पुलिस ने बताया कि वायरल वीडियो की सूचना मिलने के बाद CCTV फुटेज की मदद से बाइक और उसके सवार युवाओं की पहचान की जा रही है। पुलिस का उद्देश्य ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई करना और आम जनता को सुरक्षित यातायात का संदेश देना है। विशेष रूप से, यह घटना यह स्पष्ट करती है कि ट्रैफिक नियमों की अनदेखी केवल खुद के जीवन के लिए नहीं बल्कि अन्य राहगीरों के लिए भी खतरा बन सकती है। पुलिस ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसे सड़क सुरक्षा उल्लंघन की जानकारी तुरंत नजदीकी थाना या पुलिस कंट्रोल रूम को दें। पुलिस अधिकारी ने कहा कि त्यौहारी और त्योहारों के मौसम में शहर के मुख्य मार्गों पर वाहन और पैदल यातायात बढ़ जाता है। ऐसे समय में सुरक्षा नियमों का पालन विशेष रूप से आवश्यक है। हेलमेट पहनना, गति सीमा का पालन करना और अधिक सवारियों के साथ वाहन न चलाना सड़क सुरक्षा के लिए अनिवार्य हैं। वीडियो में दिखाई गई स्थिति यह बताती है कि युवाओं में ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूकता कम है। पुलिस के अनुसार, ऐसे मामलों में कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ सड़क सुरक्षा शिक्षा और जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। स्थानीय नागरिकों ने भी कहा कि यह वीडियो अन्य युवाओं के लिए चेतावनी का काम कर सकता है।

सड़क पर जिम्मेदार वाहन संचालन को बढ़ावा देने के लिए स्कूल, कॉलेज और सामाजिक संस्थाओं में नियमित सड़क सुरक्षा अभियान की आवश्यकता है। बिलासपुर पुलिस ने सुनिश्चित किया है कि इस मामले की जांच पूरी होने तक सख्त निगरानी रखी जाएगी और वीडियो में दिख रहे सभी युवाओं को ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के तहत दंडित किया जाएगा। अंततः, यह घटना शहरवासियों के लिए यह संदेश देती है कि सुरक्षित यातायात ही जीवन सुरक्षा है। पुलिस प्रशासन और नागरिक मिलकर नियमों का पालन करें तो सड़क हादसों को काफी हद तक रोका जा सकता है।

अंतरराज्यीय गांजा तस्करी : 1 क्विंटल 10 किलो 400 ग्राम गांजा बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। जिले के बसना थाना क्षेत्र में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF) और बसना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दो अंतरराज्यीय गांजा तस्कर पकड़े गए। नाकेबंदी के दौरान आरोपियों के कब्जे से कुल 1 क्विंटल 10 किलो 400 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत 22 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने पिकअप वाहन में गुप्त चेंबर बनाकर गांजा छुपाया हुआ था। तस्करी का यह प्रयास पुलिस की सतर्कता और लगातार निगरानी के कारण असफल रहा। यह कार्रवाई जिले में नशे के खिलाफ चल रहे विशेष अभियान और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की लगातार सक्रियता का परिणाम है।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में बिहार के कैमूर जिले के अर्रा निवासी अनिल कुमार पासवान (31 वर्ष) और उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के खानपुर निवासी अरुण सोलंकी (33 वर्ष) शामिल हैं। पुलिस के अनुसार ये दोनों आरोपी अंतरराज्यीय स्तर पर गांजा तस्करी में सक्रिय हैं और उनका नेटवर्क कई राज्यों तक फैला हुआ है। पुलिस ने बताया कि पिकअप वाहन की तलाशी के दौरान गांजा के साथ कई संदिग्ध दस्तावेज और उपकरण भी बरामद किए गए, जिनसे तस्करी की योजना और आपूर्ति चैनल का पता लगाया जा रहा है। आरोपियों ने प्रारंभिक पूछताछ में स्वीकार किया कि वे इस गांजा को विभिन्न राज्यों में अवैध रूप से सप्लाई करने वाले सक्रिय नेटवर्क का हिस्सा हैं।

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और बसना पुलिस की संयुक्त टीम ने दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है और उनके

खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम (NDPS Act) के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। टीम अब तस्करी के स्रोत, नेटवर्क तथा अन्य संभावित आरोपीयों की पहचान और गिरफ्तारी पर गहन जांच कर रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अंतरराज्यीय गांजा तस्करी रोकना क्षेत्र में नशे की समस्या को नियंत्रित करने और युवाओं को नशीले पदार्थों से दूर रखने के लिए महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत निकटतम थाना या पुलिस कंट्रोल रूम को दें।

यह गिरफ्तारी न केवल जिले में नशे के खिलाफ अभियान की सफलता का प्रमाण है, बल्कि यह संकेत भी देती है कि पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स सतर्कता के साथ अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर नजर रख रही है। अधिकारियों का कहना है कि तस्करों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी और अवैध मादक पदार्थों के नेटवर्क को तोड़ा जाएगा। जिला प्रशासन ने इस कार्रवाई को महत्वपूर्ण सफलता बताते हुए कहा कि यह कदम क्षेत्र में नशा मुक्त वातावरण बनाने और कानून का शासन बनाए रखने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

कोतवाली पुलिस ने मारा छापा, 5 सटोरिए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कालीबाड़ी गांधी नगर में 5 सटोरिए गिरफ्तार किए गए है, आईजी अमरेश मिश्रा और पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा पुलिस के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों सहित प्रभारी एण्टी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट को जुआ/सट्टा खेलने एवं खिलाने वालों की पतासाजी कर कार्यवाही करने एवं इस पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाने आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये है। जिस पर समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों सहित एण्टी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट की टीम द्वारा मुखबीर लगाकर, पेट्रोलिंग व सूचना संकलन कर इस संबंध में सूचना एकत्रित की जा रही है।

इसी तारतम्य में 15 अक्टूबर को वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन व थाना प्रभारी कोतवाली के नेतृत्व में थाना कोतवाली पुलिस की टीम द्वारा थाना कोतवाली क्षेत्रांतर्गत कालीबाडी चौक गांधी नगर

स्थित शिव बजरंग मंदिर पास अंको में दांव लगाकर सट्टा संचालित करते आरोपी संतोष शर्मा, किशनदास बजाज, सुरीत भोई, उमेश साहू एवं शिव जाल को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से नगदी रकम 6,000 रुपये, सट्टा-पट्टी तथा डाट पेन जप्त कर सटोरियों के विरूद्ध थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 221/25 धारा छग जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 06 का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया।

गिरफ्तार आरोपी में संतोष शर्मा पिता शिव कुमार शर्मा उम्र 48 साल निवासी लक्ष्मी नगर थाना टिकरापारा रायपुर। किशनदास बजाज पिता स्व. सामन दास बजाज उम्र 55 साल निवासी अंजली डोर मेट्री राधा स्वामी नगर भांठागांव थाना पुरानी बस्ती रायुपर। सुरीत भोई पिता नोवीन भोई उम्र 52 साल निवासी कृष्णा काम्प्लेक्स के पीछे कृष्णा नगर गुढियारी थाना गुढियारी रायपुर। उमेश साहू पिता स्व. रामेश्वर लाल साहू उम्र 39 साल निवासी क्रांति चौक सुदामा नगर थाना टिकरापारा रायपुर। शिव जाल पिता स्व. बासुदेव जाल उम्र 30 साल निवासी गांधी नगर थाना सिटी कोतवाली जिला रायपुर शामिल हैं।

शराब के नशे में स्कूल बस चालक, बच्चों की जान से खिलवाड़, पुलिस ने जब्त किए दो बस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। ऑपरेशन सुरक्षा के तहत यातायात पुलिस द्वारा जिलेभर में ड्रिंक एंड ड्राइव के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान स्कूली बच्चों की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए बसों की सघन जांच की गई। जांच के दौरान बोगदा पुलिया, जामुल के पास नागसेन स्कूल बस क्रमांक छत्त 07 श्व 1427 को रोका गया, जिसमें लगभग 15 बच्चे स्कूल जा रहे थे। वाहन चालक मणिक दास पिता बिसौहा (39) की ब्रीथ एनालाइज़र से जांच करने पर 102 द्वद्द अल्कोहल सेवन पाया गया। चालक के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 व 130(1)/177 के तहत कार्यवाही की गई तथा बस को जब्त कर

न्यायालय भेजा गया।

इसी कड़ी में में सुबह 6:28 बजे जांच के दौरान माइल स्टोन स्कूल की बस क्रमांक छत्त 07 छ्त्क 8511 को रोका गया। जिसे दिनेश कुमार ठाकुर पिता बहादुर सिंह चला रहे थे। जांच में चालक द्वारा 84 द्वद्द शराब सेवन पाए जाने पर एमवी एक्ट की धारा 185 के तहत कार्रवाई कर वाहन जब्त कर न्यायालय भेजा गया। यातायात पुलिस द्वारा यह अभियान इसलिए चलाया जा रहा है ताकि स्कूली बच्चों की यात्रा पूरी तरह सुरक्षित रहे और कोई भी चालक नशे की हालत में वाहन चलाकर उनके जीवन को खतरे में न डाले।

यातायात पुलिस दुर्ग समस्त स्कूल संचालकों, अभिभावकों तथा नागरिकों से अपील करती है कि वे यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को लाने-ले जाने वाले वाहन चालकों की नियमित जांच हो और यदि कोई चालक शराब सेवन या लापरवाही करते हुए पाया जाए, तो तुरंत पुलिस को सूचना दें।

बस्तर पुलिस ने दिवाली से पहले पकड़ी 100 पेटी गोवा व्हिस्की शराब, तस्कर फरार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बस्तर। दिवाली से पहले छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में पुलिस ने शराब तस्करों पर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मध्य प्रदेश से आ रही गोवा व्हिस्की की तस्करी करते हुए एक वाहन को पकड़ा, जिसमें भारी मात्रा में शराब थी। हालांकि, वाहन चालक पुलिस को देखकर फरार होने में कामयाब रहा। मिली जानकारी के अनुसार यह मामला बड़ांजी थाना क्षेत्र का है। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक वाहन (नंबर CG 17 LA 9565) में भारी मात्रा में शराब की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने ग्राम टकरागुड़ा-बेलर मार्ग पर रेड की कार्रवाई की।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार घटना के समय वाहन चालक ने अंधेरे का फायदा उठाकर गाड़ी वहीं छोड़ दी और फरार हो गया। पुलिस ने गाड़ी की तलाशी ली, जिसमें गोवा व्हिस्की की 100 पेटी बरामद हुई। बरामद शराब की कीमत लगभग 6 लाख 40 हजार रुपए आंकी गई है। पुलिस ने गाड़ी को जब्त कर थाने लेकर आई। बड़ांजी थाना के पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी युवक की तलाश जारी है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है और तस्करी में शामिल अन्य लोगों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

स्थानीय लोगों ने इस कार्रवाई को सराहा है और पुलिस से कहा कि ऐसे प्रयास तस्करी और अवैध शराब की बिक्री पर नियंत्रण रखने में मदद करेंगे। पुलिस अधिकारियों ने भी जनता से अपील की है कि अवैध शराब की जानकारी मिलने पर तुरंत सूचना दें, ताकि कार्रवाई समय पर की जा सके। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई दिवाली के त्योहार के मद्देनजर की गई थी, ताकि अवैध शराब की

बिक्री और तस्करी से संबंधित अपराधों को रोका जा सके। उन्होंने बताया कि जिले में शराब तस्करी की घटनाओं पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और ऐसे मामलों में पुलिस कड़ी कार्रवाई करती रहेगी।

बड़ांजी थाना क्षेत्र में यह कार्रवाई अवैध शराब की तस्करी रोकने के लिए एक अहम कदम मानी जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि शराब तस्करों पर सख्त निगरानी रखी जा रही है और आने वाले दिनों में ऐसे अन्य प्रयास भी किए जाएंगे। पुलिस ने यह भी कहा कि वाहन के साथ पकड़ी गई शराब की सही गिनती और मात्रा की पुष्टि के लिए आगे जांच जारी है। इसके अलावा, यह भी पता लगाया जा रहा है कि शराब कहां से लाई जा रही थी और इसके वितरण में कौन-कौन लोग शामिल थे। इस घटना से जिले में अवैध शराब तस्करी पर नियंत्रण के प्रयासों को और मजबूत माना जा रहा है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दूरभाष-0788-2210876

दुर्ग, दिनांक 11.10.2025

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)

(प्रथम आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 31.10.2025 तक आमंत्रित की जाती है:-

निविदा आमंत्रण सू.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
248/ दुर्ग (राज.) / 2025	उपसंभाग क्र.. 01 राजनांदगांव के अंतर्गत विभिन्न समय-समय पर स्वीकृत मार्गों एवं पुल-पुलियों में विशेष मरम्मत, एफ.डी.आर एवं सड़क सुरक्षा कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	170.89
249 / दुर्ग (राज.) / 2025	उपसंभाग क्र. 02 राजनांदगांव के अंतर्गत विभिन्न समय-समय पर स्वीकृत मार्गों में विशेष मरम्मत, एवं सड़क सुरक्षा कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	167.54
250/ दुर्ग (राज.) / 2025	उपसंभाग क्र. 01 राजनांदगांव के अंतर्गत विभिन्न समय-समय पर स्वीकृत मार्गों विशेष मरम्मत कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	65.01
251/दुर्ग / (राज.) / 2025	उपसंभाग क्र. 02 राजनांदगांव के अंतर्गत विभिन्न समय-समय पर स्वीकृत मार्गों एफ.डी.आर कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	143.91
252/ दुर्ग (राज.)/2025	उपसंभाग क्र. 02 राजनांदगांव के अंतर्गत विभिन्न समय-समय पर स्वीकृत मार्गों में पुल-पुलियों में विशेष मरम्मत, कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	110.64
253/ दुर्ग (राज.) / 2025	उपसंभाग डोंगरगढ़ राजनांदगांव के अंतर्गत विभिन्न समय-समय पर स्वीकृत मार्गों में विशेष मरम्मत कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	183.96
254/ दुर्ग (राज.) / 2025	उपसंभाग डोंगरगढ़ राजनांदगांव के अंतर्गत विभिन्न समय-समय पर स्वीकृत मार्गों में विशेष मरम्मत एफ.डी.आर. कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	162.38
255/दुर्ग (राज.) / 2025	उपसंभाग डोंगरगढ़ राजनांदगांव के अंतर्गत विभिन्न समय-समय पर स्वीकृत मार्गों एवं पुल- पुलियों में विशेष मरम्मत, कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	17.19
256/ दुर्ग (राज.) / 2025	उपसंभाग डोंगरगढ़ राजनांदगांव के अंतर्गत विभिन्न समय -समय पर स्वीकृत मार्गों में सड़क सुरक्षा कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	128.48
257/ दुर्ग (राज.)/2025	उपसंभाग डोंगरगढ़ राजनांदगांव के अंतर्गत विभिन्न समय -समय पर स्वीकृत मार्गों में विशेष मरम्मत एवं सड़क सुरक्षा कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	183.37

टीप

1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है।
2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें ।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग

जी - 252604236/4

प्रतिबंधित नशीली सिरप के साथ दो आरोपी हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर पुलिस ने प्रतिबंधित नशीली सिरप Glankof-T के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई के दौरान आरोपियों के कब्जे से कुल 40 शीशी नशीली सिरप जब्त की गई, जिनकी कुल कीमत लगभग 5,000 रुपये बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई ऑपरेशन निश्चय के तहत की गई, जो नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा है। पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा और पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देशन में अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य नशे की तस्करी रोकना और अवैध रूप से नशीले पदार्थ बेचने वालों पर प्रभावी कार्रवाई करना है।

15 अक्टूबर 2025 को एंटी क्राइम और साइबर यूनिट की टीम को सूचना मिली कि थाना आमानाका क्षेत्र, एम्स अस्पताल के पास जीई रोड टाटीबंध पर कुछ लोग प्रतिबंधित नशीली सिरप रखते हैं और बिक्री की फिराक में हैं। वरिष्ठ

अधिकारियों के निर्देशन में एंटी क्राइम और साइबर यूनिट एवं थाना आमानाका पुलिस की संयुक्त टीम ने सूचना के आधार पर आरोपियों को चिन्हांकित कर गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम युवराज सिंह चौहान (उम्र 24, निवासी कृष्णा नगर) और वाजिद खान (उम्र 29, निवासी कृष्णा नगर) बताया। तलाशी के दौरान उनके पास से 40 शीशी Glankof-T जब्त की गई। जब उनसे वैध दस्तावेज की मांग की गई, तो उन्होंने कोई प्रमाण नहीं प्रस्तुत किया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना आमानाका में अपराध क्रमांक 340/25 धारा 21बी और 29 नारकोटिक एक्ट के तहत मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू की है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, ऑपरेशन निश्चय के तहत रायपुर पुलिस के समस्त राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारियों और एसीसीयू प्रभारी लगातार सूचना संकलन, मुखबीर तंत्र और अन्य स्रोतों से नशीले पदार्थों की तस्करी पर नजर रख रहे हैं। यह अभियान न केवल नशीले पदार्थों की बिक्री रोकने, बल्कि युवा पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभाव से बचाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इस प्रकार है: युवराज सिंह चौहान, पिता नारायण सिंह चौहान, उम्र 24 वर्ष, निवासी कृष्णा नगर, कोटा राशन दुकान के पास, थाना सरस्वती नगर, रायपुर। वाजिद खान, पिता बशीर खान, उम्र 29 वर्ष, निवासी कृष्णा नगर, कोटा शनि मंदिर के पीछे, थाना सरस्वती नगर, रायपुर। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे नशीले पदार्थों के मामलों में सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत नजदीकी थाना या पुलिस कंट्रोल रूम को दें। अधिकारियों का कहना है कि ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे और नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। रायपुर पुलिस की यह कार्रवाई यह स्पष्ट संदेश देती है कि शहर में नशीले पदार्थों की तस्करी और अवैध बिक्री बर्दाश्त नहीं की जाएगी और कानून की पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपराधियों पर नजर रखी जाएगी।

सड़क हादसा, बाइक सवार की मौत

जशपुर। जिले के पत्थलगांव में सड़क हादसे में एक व्यक्तिकी मौत हो गई है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं पुलिस की टीम इस हादसे की जांच में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार, यह भीषण सड़क हादसा पत्थलगांव थाने के भाटामुड़ा में हुआ। यहां एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फ़रार हो गया। सड़क हादसे की जानकारी मिलते ही पत्थलगांव थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वहीं पुलिस की टीम ने अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

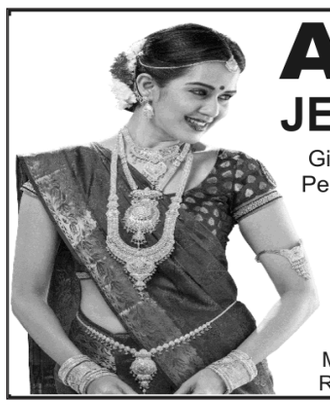
Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers,
Akash Ganga,
Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह आगे चला गया है पिछले दस वर्षों से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone,
Nano & Double Charge
Verified Tiles Digital Wall &
Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

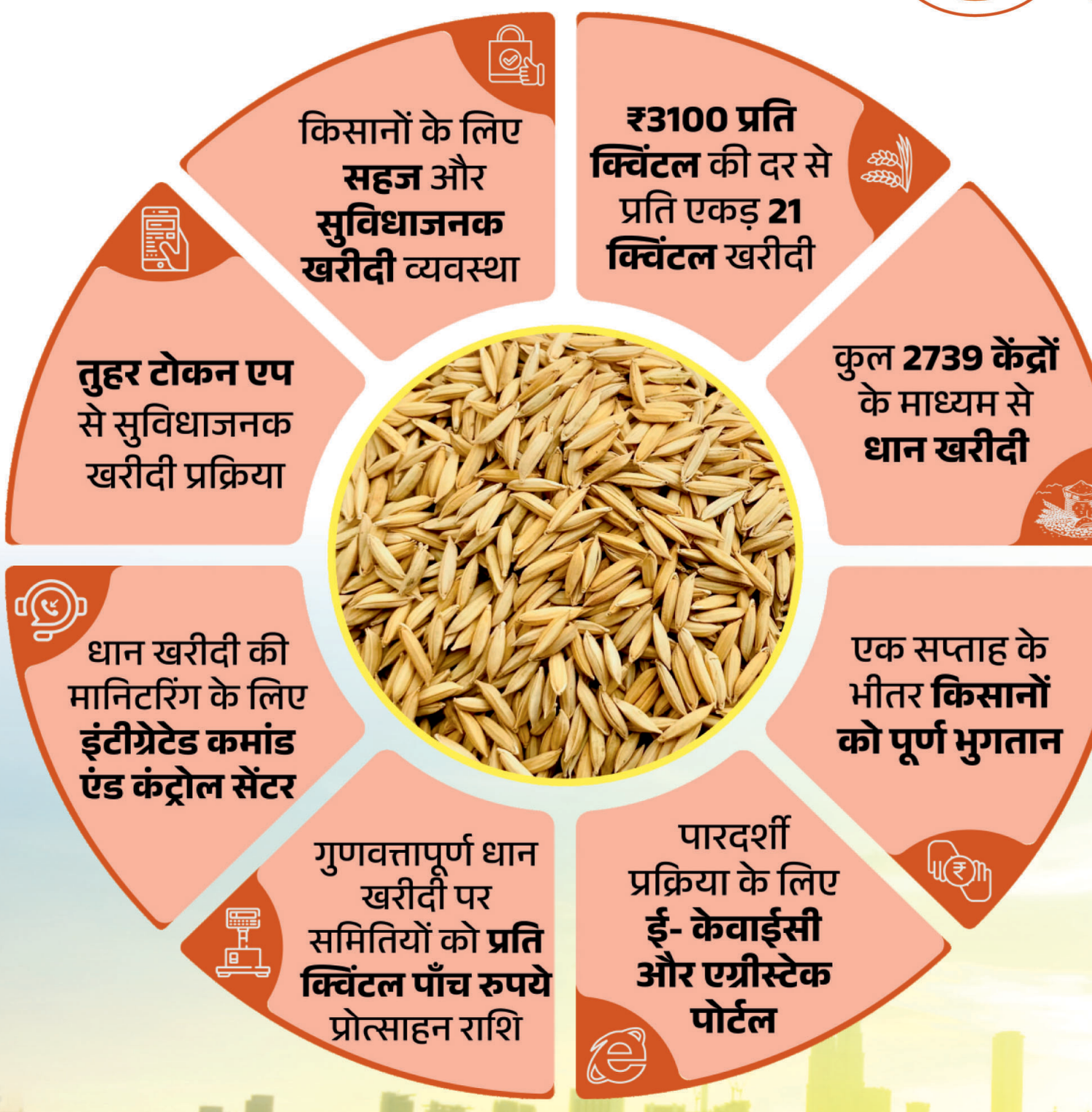

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950